गाजियाबाद, दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

दैनिक

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

● वर्ष: 27 ● अंक: 53 ● गाजियाबाद, शुक्रवार 23 मई, 2025 ● सम्पादक-अशोक कौशिक ● मूल्य: 1 रुपया

अमृत स्टेशन योजना के तहत यूपी के 19 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

गति एवं गौरव के प्रतीक हैं अमृत स्टेशन: योगी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उत्तर प्रदेश के 19 रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प हुआ है। यह भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए इसे 'गति और गौरव के उत्तम समन्वय का नया प्रतीक' बताया है। उन्होंने कहा कि अमृत स्टेशन नये भारत के संकल्प को साकार करने वाले हैं। बता दें कि अमृत भारत स्टेशन न केवल आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं, बल्कि क्षेत्रीय संस्कृति और कनेक्टिविटी को भी बढ़ावा देंगे।

- पीएम ने बीकानेर से किया उद्घाटन, कार्यक्रम में सीएम योगी ने लखनऊ से वर्चुअल माध्यम से लिया हिस्सा
- सीएम योगी ने अमृत भारत स्टेशनों को बताया नये भारत के संकल्प को साकार करने वाला अभिनव प्रयोग
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 19 स्टेशनों के कायाकल्प पर प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

यूपी के इन 19 स्टेशनों का हुआ है कायाकल्प

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, गोला गोकर्णनाथ, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा, इज्जतनगर, करछना, मैलानी, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सुरेमनपुर, स्वामिनारायण छपिया और उझानी स्टेशनों को इस योजना के तहत नया स्वरूप दिया गया है। इन स्टेशनों का पुनर्विकास यूपी में रेल यात्रियों के लिए सुगम और सुखद अनुभव सुनिश्चित करेगा। उत्तर प्रदेश के पुनर्विकसित स्टेशनों में आधुनिक सुविधाएं जैसे आधुनिक वेटिंग रूम, एस्केलेटर, लिफ्ट, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, डिजिटल डिस्प्ले, हरित ऊर्जा आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थानीय वास्तुशिल्प की झलक जैसे कई नवाचार किए गए हैं। ये स्टेशन न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएंगे, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन देंगे।

1100 करोड़ रुपए से देशभर के 103 रेलवे स्टेशनों का हुआ है कायाकल्प

बता दें कि देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में स्थित इन 103 स्टेशनों को 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 1,300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जो क्षेत्रीय वास्तुकला को दर्शाने और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। मोदी सरकार में पिछले 11 वर्षों में 34 हजार किमी रेल पटरियां बिछाई गई हैं। साथ ही 47 हजार किमी रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण हुआ है। इसके अलावा वंदेभारत, नमो भारत, अमृत भारत जैसी ट्रेनें और 42 हजार आईसीएफ कोच को एलएचबी कोच में बदला गया है। आजादी के बाद पहली बार छोटे और मझोले स्टेशनों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वर्ष 2023-24 में 1062 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी गई। इसके अंतर्गत अगले 8 महीनों में 100 और स्टेशन तैयार होंगे, जबकि 2027 तक 500 स्टेशनों का कार्य पूर्ण हो जाएगा।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम सुनवाई पूरी, कोर्ट ने याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद बृहस्पतिवार को तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया। जिसमें ह्लअदालतों द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीडह्व घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति भी शामिल है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अंतरिम आदेश सुरक्षित रखने से पहले करीब तीन दिन तक वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, राजीव धवन और अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलें सुनीं, जो संशोधित वक्फ कानून के विरोध में याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखा।

केंद्र ने इस अधिनियम का दृढ़ता से समर्थन करते हुए कहा कि वक्फ अपनी प्रकृति से ही एक धर्मनिरपेक्ष अवधारणा है और संवैधानिकता की धारणा के इसके पक्ष में होने के मद्देनजर इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। वहीं, याचिकाकर्ताओं की पैरवी कर रहे सिब्बल ने इस कानून को ह्लऐतिहासिक कानूनी और संवैधानिक सिद्धांतों से पूर्ण विचलनह्व तथा ह्लगैर-न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से वक्फ पर कब्जा करनेह्व का जरिया बताया। सिब्बल ने कहा, यह वक्फ संपत्तियों पर सुनियोजित तरीके से कब्जा करने का मामला है। सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन से मुद्दे उठाए जा सकते हैं।

1. पहला मुद्दा 'अदालतों द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीड' घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति से जुड़ा हुआ है।
2. दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की दलील है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुसलमानों को ही राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में काम करना चाहिए।
3. तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से जुड़ा है, जिसमें कहा गया है कि जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करते हैं कि संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

25 अप्रैल को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने संशोधित वक्फ अधिनियम, 2025 के पक्ष में 1,332 पृष्ठों का प्रारंभिक हलफनामा दाखिल किया था और अदालत से इस कानून पर 'पूर्ण रोक' लगाने से इनकार करने का अनुरोध किया था। केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की 5 अप्रैल को मंजूरी मिलने के बाद अप्रैल में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया।यह विधेयक लोकसभा में 288 सदस्यों के समर्थन से पारित हुआ, जबकि 232 सांसदों ने इसका विरोध किया। राज्यसभा में 128 सदस्य इसके पक्ष में और 95 इसके खिलाफ थे।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला, कहा

आपने देश के सम्मान से समझौता किया, खोखले भाषण देना बंद करें

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर राहुल गांधी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के सम्मान से समझौता कर लिया है। अब खोखले भाषण देना बंद कर दीजिए। एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि मोदी जी, खोखले भाषण देना बंद कीजिए। सिर्फ इतना बताइए कि आतंकवाद पर आपने पाकिस्तान की बात पर भरोसा क्यों किया? ट्रंप के सामने झुककर आपने भारत के हितों की कुबार्नी क्यों दी? आपका खून सिर्फ कैमरों के सामने ही क्यों गरम होता है? आपने भारत के सम्मान से समझौता कर लिया!

इससे पहले गुरुवार को पीएम मोदी ने राजस्थान के बीकानेर में कहा था कि हमने 22 मिनट में आतंकियों के नौ सबसे बड़े ठिकाने नष्ट कर दिए। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसका नतीजा क्या होता है, यह पाकिस्तान को बता दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने तीन नियम तय किए हैं। अगर, भारत पर आतंकी हमला हुआ तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। इसे देश के विरुद्ध युद्ध माना जाएगा, समय सेना तय करेगी। एटम बम की गीदड़ भभकी से भारत डरने वाला नहीं है। आतंकियों और आतंकपरस्त सरकार को एक ही माना जाएगा। पाकिस्तान का 'स्टेट और नॉन-स्टेट' वाला खेल अब नहीं चलेगा। भारत ने पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सात अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। पाकिस्तान का असली चेहरा पूरी दुनिया को दिखाया जाएगा।

किश्तवाड़ में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़, एक जवान बलिदान, कुछ सैनिक घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के चटरू के सिंहपोरा इलाके में में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों ने गोलीबारी के बाद तीन से चार आतंकियों को घेर लिया। गोलीबारी में एक जवान बलिदान हो गया। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान जारी है। अन्य घायल सैनिकों का उपचार उधमपुर सेना अस्पताल में किया जा रहा है।

किश्तवाड़ आतंकी मुठभेड़ में शहीद सैनिक की पहचान सिपाही गायकवाड़ संदीप पांडुरंग निवासी करानाडी तहसील अकोला जिला अहमदनगर महाराष्ट्र के रूप में हुई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली कि चटरू के सिंहपोरा इलाके में आतंकी छिपे हैं। सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से गोलीबारी हुई। किश्तवाड़ के सब डिवीजन चटरू के सिंहपोरा इलाके में मुठभेड़ हुई। आतंकियों की संख्या तीन से चार है। पहलगाम घटना के पहले यहां इसी क्षेत्र में तीन आतंकियों को मार गिराया गया था। यह क्षेत्र कश्मीर के अनंतनाग से लगता है। हो सकता है कि ये आतंकी भी कश्मीर से ही आए हों। आतंकी जैश मोहम्मद के बताए जा रहे हैं। फिलहाल इलाके में आतंकियों की तलाशी अभियान चल रहा है।

सत्यपाल मलिक: 2200 करोड़ के भ्रष्टाचार केस में सीबीबाई ने दाखिल की चार्जशीट, अस्पताल में भर्ती हुए पूर्व राज्यपाल

जम्मू। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कीरू जलविद्युत परियोजना के लिए 2,200 करोड़ रुपये के कार्यों के ठेके में कथित भ्रष्टाचार के मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और पांच अन्य के खिलाफ गुरुवार को आरोपपत्र दायर किया है। सीबीआई ने तीन साल की जांच के बाद एक विशेष अदालत के समक्ष अपनी रिपोर्ट पेश की है। बता दें कि सीबीआई ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार के अनुरोध पर मामला दर्ज किया था। मलिक अगस्त 2018 से अक्तूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे। वहीं इस केस में चार्जशीट दाखिल होने के बाद मलिक ने एक्स पर लिखा कि वह अस्पातल में भर्ती हैं और किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं। पूर्व राज्यपाल ने कहा कि उन्हें कई शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं, जिनका वह जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

मैंने शिकायत की और मेरे ही घर पर पड़े छापे

मलिक ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ उन्होंने शिकायत की थी और जो भ्रष्टाचार में लिप्त थे, उनकी जांच करने के बजाय सीबीआई ने उनके आवास पर छापा मारा। इस पर उन्होंने एक्स पर लिखा था कि उन्हें 4-5 कुर्ते और पायजामा के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। तानाशाह सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करके मुझे डराने की कोशिश कर रहा है। मैं एक किसान का बेटा हूं, मैं न तो डरूंगा और न ही झुकूंगा।

चार्जशीट में इन लोगों के नाम

केंद्रीय एजेंसी ने चेनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (सीवीपीपीपीएल) के तत्कालीन अध्यक्ष नवीन कुमार चौधरी, एम एस बाबू, एम के मित्तल और अरुण कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों के अलावा निर्माण कंपनी पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पेश हुई थी 300 करोड़ की रिश्वत

मलिक 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे थे। उन्होंने दावा किया था कि उन्हें इस परियोजना से संबंधित एक फाइल सहित दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी। लेकिन पिछले साल सीबीआई द्वारा तलाशी अभियान चलाए जाने के बाद उन्होंने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार किया था।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने की जनसुनवाई

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने जनसुनवाई की। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रार्थियों से शिकायतों/आवेदन को प्राप्त कर प्रकरण के बारे में मौखिक भी अवगत हुए। उन्होने प्रार्थियों को आवश्वस्त किया कि समयान्तराल में गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण कराया जायेगा। जिलाधिकारी द्वारा कुछ मामलों का सम्बंधित से वार्ता कर मौके पर ही पूर्ण गुणवत्ता से निस्तारित करा दिया गया। शेष शिकायतों को सम्बंधित अधिकारी को निराकरण हेतु भेजते हुए, शिकायतों का पूर्ण गुणवत्ता एवं समयान्तराल में निस्तारण के लिए निर्देशित किया। जन सुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों एवं अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होने के पश्चात शिकायतकताओं से फीडबैक लेना सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय भी उपस्थिति रहे।

गृहकर वृद्धि के विरोध में डीएम को सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद। कोरवा-यूपी के प्रतिनिधिमंडल ने गृहकर वृद्धि के विरोध में बुधवार को जिलाधिकारी से मुलाकात करके मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। इसके अलावा वार्ड 95 की पार्षद रुकसाना सैफी ने भी बढ़े हुए गृहकर का विरोध करते हुए मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखा। उन्होंने जिलाधिकारी से गुहार लगाते हुए कहा कि नगर निगम की ओर से नियमों की अनदेखी करते हुए गृहकर वृद्धि की गई है, जिसे वापस लेना होगा। कोरवा-यूपी के मुख्य संरक्षक कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक मजबूत आर्थिक स्थिति में गाजियाबाद नगर निगम होने के बाद भी नागरिकों पर सबसे अधिक गृहकर का भार डाल दिया गया है। कोरवा-यूपी के मुख्य सलाहकार डॉ. आरके आर्या और महासचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने कहा कि गृहकर को एक बार में दो गुना से ज्यादा नहीं बढ़ाया जा सकता, लेकिन नगर निगम के अधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखकर गृहकर बढ़ा दिया है।

संजय नगर सेक्टर 23 फ्री होल्ड के निवासियों की बिजली समस्या: जनता परेशान, प्रशासन लापरवाह

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। हाल ही में आई तेज आँधी के बाद संजय नगर सेक्टर 23 फ्री होल्ड क्षेत्र के निवासियों को पूरे दिन बिना बिजली और पानी के गुजारना पड़ा। जहाँ शहर के अन्य हिस्सों में बिजली व्यवस्था देर रात या अगली सुबह तक बहाल कर दी गई, वहीं इस क्षेत्र में विद्युत विभाग के कर्मचारी पूरी तरह से लापता रहे।

क्षेत्रवासियों द्वारा बार-बार संपर्क करने के प्रयास किए गए, लेकिन संबंधित कर्मचारियों ने अपने फोन स्विच ऑफ कर लिए। नतीजतन न तो फॉल्ट की पहचान हो सकी और न ही बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकी। बिजली न होने के कारण आमजन को भीषण गर्मी झेलनी पड़ी, वहीं व्यापारियों को लाखों रुपए के नुकसान का सामना करना पड़ा। दूध, आइसक्रीम, चॉकलेट जैसी वस्तुएँ पिघल गई और खाद्य सामग्री खराब हो गई। यह बेहद चिंताजनक है कि एक फ्री होल्ड और विकसित क्षेत्र होने के बावजूद विभाग द्वारा सौतेला व्यवहार किया गया। यह प्रश्न आमजन के मन में उठता है कि क्या कुछ क्षेत्रों को जानबूझकर उपेक्षित किया जा रहा है?

हम सभी क्षेत्रवासी प्रशासन से मांग करते हैं कि–

1. इस लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।
2. संबंधित कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाए।
3. भविष्य में ऐसी आपात स्थिति के लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार की जाए।

महानगर कांग्रेस कमेटी ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। 21 मई 2025 को महानगर कांग्रेस कमेटी कार्यालय कंपनी बाग घंटाघर, गाजियाबाद पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि और संगठन सर्जन की मीटिंग वीर सिंह जाटव की अध्यक्षता में की गई। जिसमें अनेकों कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और कांग्रेस जन मौजूद रहे। सभी कांग्रेस कार्यकर्ता और नेताओं में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव, गाजियाबाद को-ऑर्डिनेटर अजय चौधरी, हरेंद्र अग्रवाल, शिक्षाविद् जे०के० गौड़, नरेंद्र राठी, बिजेंद्र यादव, बाबूराम राम शर्मा, श्रीचंद दिवाकर, पंकज तेजानिया, प्रेम प्रकाश चीनी, सूर्यकांत, एडवोकेट चन्द्रपाल, पूजा चड्ढा, गोपाल भाटी, राजन चित्तौड़िया, आशीष प्रेमी, विकास शर्मा, विनोद कुमार शर्मा, एडवोकेट बबलू भारती, एडवोकेट सुनील गौतम, त्रिलोक सिंह, मोहम्मद इरफान, राजकुमार, अमोल वशिष्ठ, पवन शर्मा, सैयद वली हसन, हिमायूं बेग, राकेश कुमार, विजय राणा, हाजी खालिद अहमद, सतीश चंद्र गुप्ता, महेश महेश दत्त, एडवोकेट सुनील गौतम, राजेश जायसवाल, यूनिस कुरैशी, शाहरुख खान, एडवोकेट खुशनुमा, हरीश गोयल, रियाज अहमद, रिजवान मलिक आदि सभी ने अपने प्रिय नेता स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन के साथ पुष्प अर्पित अर्पित किये गये। जिसमें अजय चौधरी को-ऑर्डिनेटर गाजियाबाद मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

सामंत जाखड की बल्लेबाजी से एचसीए पायनियर फाइनल में

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। बाडीकेयर कप नवम संदीप सूरी स्मृति क्रिकेट टूनार्मेंट के प्रथम सेमीफाइनल मुकाबले मे एचसीए पायनियर ने सुपर ओवर मे गोल्डन हाकस को 10 रन से पराजित कर फाइनल मे प्रवेश किया। टास जीत कर एचसीए पायनियर ने वर्षा बाधित मैच मे पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया गोल्डन हाकस के बल्लेबाज केशव सिह 44 रन, अंकित कुमार 52 रन व कुणाल शर्मा 40 रन ने तेजी से रन बनाते हुए टीम का योग निर्धारित 25 ओवर मे 222 रन पंहुचाया। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए एचसीए पायनियर के बल्लेबाज अर्श कबीर 65 रन व सामंत जाखड के धुआंधार 82 रनो से स्कोर 222 पंहुचाया परन्तु 222 रन पर निर्धारित 25 ओवर समाप्ति के कारण मैच टाई हो गया। टाई मैच के सुपर ओवर मे पहले बल्लेबाजी करते हुए एचसीए पायनियर ने 20 रन 1 विकेट खो कर बनाये जिसमे जसमीत नैन ने अविजित 15 व अर्श कबीर ने 05 रन बनाए। जिसे प्राप्त करने के प्रयास मे गोल्डन हाकस 10 रन बना पायी। फलस्वरूप एचसीए पायनियर ने 10 रन से मैच जीत लिया। सेमीफाइनल मे पराजित गोल्डन हाकस के सभी खिलाडियो व प्रशिक्षक को 1-1 बैग व किट देकर प्रोत्साहित किया गया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सामंत जाखड को इन्द्रजीत सिंह विशाल शर्मा ने संयुक्त रुप से प्रदान किया, संचालन पूर्व रणजी खिलाड़ी विश्वजीत सिंह ने किया।

प्रमुख स्कोर: गोल्डन हाकस : 222 रन 9 विकेट पर 25 ओवर में। केशव सिंह 44 रन (8 चौक्के, 1 छक्का) अंकित कुमार 52 रन (6 चौक्के, 3 छक्का) कुणाल शर्मा 40 रन (3 चौक्के, 2 छक्के) पीयूष चौधरी, विवेक तिवारी व साहिल ढल ने 2-2 विकेट लिए। एचसीए पायनियर : 222 रन 9 विकेट पर 25 ओवर में। अर्श कबीर 65 रन (8 चौक्के, 2 छक्के) सामंत जाखड 82 रन (5 चौक्के, 7 छक्के) दिविज प्रकाश ने 3 व निर्भय डागर ने 2 विकेट लिए। सुपर ओवर विवरण: एचसीए पायनियर : 20 रन 1 विकेट पर जसमीत नैन 15 रन(2 छक्के) अविजित अर्श कबीर 05 रन गोल्डन हाकस:10 रन केशव सिह 7 रन (1 छक्का) कल प्रातःकाल दूसरा सेमीफाइनल नोएडा वंडर्स व एलबी शास्त्री क्लब दिल्ली के मध्य खेला जाएगा।

गाजियाबाद के दयानंद नगर में तेज आंधी के चलते गिरे पेड़ और बिजली के खंभे

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। बुधवार की रात भयंकर आंधी से और पानी गाजियाबाद में कई पेड़, बिजली के खंभे और लोहे जाल आदि गिरने काफी नुकसान हुआ है। इस भयंकर आंधी से कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए, वही कुछ ने भयंकर चोट के कारण अपना दम तोड़ दिया। शहर की पाश कॉलोनी दयानंद नगर में भी बड़े-बड़े पेड़, बिजली के तार और बिजली के खंभे तहस-नहस होकर गिर गए। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

पवित्रम योग केंद्र ने योग चैंपियनशिप में दिखाया अपना कमाल : छात्रों ने पहला और दूसरा स्थान किया हासिल

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के राजनगर में 21 मई को आयोजित दिव्य योगमय योगा एसोसिएशन द्वारा 6th योग चैंपियनशिप में गाजियाबाद के राजेंद्र नगर में स्थित पवित्रम योग केंद्र के लिए यह गर्व और उपलब्धि का क्षण है, यहा के समर्पित छात्रों ने हाल ही में योगा चैंपियनशिप में यू-11 बॉयज श्रेणी में बाल योगी लखन अरोड़ा ने पहला स्थान प्राप्त किया और व-11 गर्ल्स श्रेणी में अद्विका सिंह ने पहला स्थान और नव्या डागर (अक्षया) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

योगाचार्य विकेशानंद जी कि ट्रेनिंग और गुरुश्री आचार्य विवेकादित्य जी के मार्गदर्शन में छात्रों ने अपनी उत्कृष्ट योग कला, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र भर के प्रतिभाशाली प्रतिभागियों ने भाग लिया, लेकिन पवित्रम्-योग केंद्र के छात्रों ने अपने संतुलित आसनों, सुंदर प्रस्तुति और आध्यात्मिक स्थिरता से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनके प्रदर्शन को न केवल शीर्ष स्थान मिले, बल्कि जज और दिव्य योगमय संस्थान के डॉ. सुदर्शन शर्मा ने बच्चों की सराहना की। इस अवसर पर योगाचार्य विकेशानंद ने कहा कि यह जीत हमारे छात्रों की मेहनत, अनुशासन और आत्मिक विकास का परिणाम है। मुझे खुशी है कि मेरे बच्चों की मेहनत रंग लायी। इस शानदार सफलता के साथ, पवित्रम्-योग केंद्र योग शिक्षा और सम्पूर्ण स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। संस्था आगे भी भावी योग चैंपियनों को तैयार करने और योग के शाश्वत ज्ञान को फैलाने के लिए समर्पित है।

धर्म यात्रा संघ ने गाजियाबाद की सभी रामलीला समितियों के पदाधिकारियों से अनुरोध किया है कि बिना विधर्मियों की सहभागिता के रामलीला संपन्न कराएं

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के दिशा निर्देश में अभी-अभी संपन्न हुआ महाकुंभ विधर्मियों की बिना सहभागिता के पूर्ण हुआ

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। धर्म यात्रा संघ के संयोजक उपेंद्र गोयल ने जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि गाजियाबाद की सभी रामलीला समितियों के अध्यक्ष, मंत्री, सदस्य एवं प्रबंधक मंडलों से विनम्र निवेदन है कि हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के दिशा निर्देश में अभी-अभी संपन्न हुआ महाकुंभ, जो कि विश्व का सबसे बड़ा आयोजन था, विधर्मियों की बिना सहभागिता के पूर्ण हुआ। यह समस्त देश के समक्ष अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत हुआ है। ध्यान योग्य है कि बांग्लादेश में हजारों हिंदुओं की निर्मम हत्या, मुर्शिदाबाद में हिंदुओं की हत्या और सैंकड़ों हिंदू परिवारों का वहां से पलायन, पहलगाम में धर्म पूंछ कर हिंदुओं की हत्या, हमारे चारों तरफ लगातार घटित हो रही भयावह घटनाओं के कुछ उदाहरण मात्र हैं।

श्री गोयल ने सभी रामलीला समितियों से अनुरोध किया है कि इस साल होने वाली रामलीलाओं में, रामलीलाओं के मेले में, झूलों में, दुकानों में, ठेकेदारी में या रामलीला से संबंधित किसी भी कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी प्रकार की विधर्मियों की सहभागिता ना होने को सुनिश्चित करने की कृपा करें। हम सभी को ध्यान में रखना होगा कि हम लाखों वर्ष पुराने सनातन धर्म की महान संस्कृति के संवाहक मात्र हैं। रामलीला समितियां का मालिकाना हक वृहत्तर हिंदू समाज का है। राष्ट्र द्रोहियों और रामद्रोहियों का हमारे किसी भी कार्य से आर्थिक सशक्तीकरण हो और सामाजिक स्वीकार्यता बढ़े, यह सभी सनातन धर्मावलंबियों के लिये शर्मनाक होगा।

उन्होंने कहा है कि हम सभी को किंचित यह भी ध्यान रखना होगा कि प्रभु श्री राम के कार्य में विधर्मियों अर्थात रामद्रोहियों का, रामनवमी शोभा यात्राओं पर पत्थर फेंकने वालों का, राम भक्तों के विरोधियों का और 'जय श्री राम' से चिढ़ने वालों को सहभागिता का अवसर देकर उनके मजबूत होने से कल को रामलीलाओं के मंचन में भी बाधा उत्पन्न होने का गंभीर खतरा है। कृपया 2007 में मऊ, उत्तर प्रदेश के दंगे और चलती रामलीला को जलाने की दुभाग्यपूर्ण घटना को ध्यान रखें कि हिंदू हित में, धर्म के हित में और प्रभु श्रीराम की भक्ति और भक्तों के हित में अपनी रामलीलाओं को विधर्मियों के चंगुल से पूर्ण मुक्ति दिलायें। इसका उदाहरण और पथ निर्धारण भव्य महाकुंभ द्वारा हम सभी के समक्ष ज्वलंत रूप से विद्यमान है।

24 मई को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा संवाद एवं सम्मान समारोह का होगा आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। 24 मई को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा संवाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। पार्टी के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. राम अवतार जिंदल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल के अनुसार 24 मई को दोपहर 2.30 बजे श्याम प्रेम, 101,मॉडल टाऊन ईस्ट गाजियाबाद में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा संवाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के मुख्य अतिथि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर कैबिनेट मंत्री उ.प्र. सरकार(पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक़्फ एवं हज विभाग) होंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गाज़ियाबाद के सम्मानित व्यापारियों द्वारा अपने विचार, सुझाव एवं समस्याएं मंत्री ओम प्रकाश राजभर के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा आपसी संवाद के माध्यम से समाधान कि दिशा में सार्थक पहल करने का भी प्रयास रहेगा। राम अवतार जिंदल एवं अशोक अग्रवाल ने सभी व्यापारियों से व्यापारी हितों को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर समारोह में शामिल होने की अपील की है।

जीडीए ने अपनी योजनाओं में यातायात की सुविधा को दुरुस्त करने के लिए गिरे पेड़ों व टहनियों को हटाकर सड़क व पार्कों को अवरोधमुक्त किया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने राजनगर एक्सटेंशन में बुधवार रात आई आंधी के कारण गिरे हुए पेड़ व टहनियों को जल्द से जल्द हटाने का कार्य कर यातायात को सुगम किया गया। इस कार्य को जीडीए की अभियंत्रण एवं उद्यान टीम ने तत्काल संज्ञान लेकर पूरा किया, जिससे ना केवल रोड अवरोधमुक्त हुआ बल्कि यातायात प्रभावित होने से बचा। इसमें लगभग 11 पेड़ों के साथ साथ ढेर सारी टहनियों को हटाकर अवरोध मुक्त किया गया है। जीडीए का प्रयास है कि जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और शहर का विकास सुचारु रूप से हो। आगे भी इसी प्रकार से जीडीए जनहित के कार्यो को प्राथमिकता देते हुए त्वरित समस्या का निराकरण सुनिश्चित करने हेतु प्रयासरत है।

जीएसटी अधिकारियों और व्यापारियों द्वारा राकेश मार्ग पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

निल रिटर्न्स भरने से बचें व्यापारी: अपर आयुक्त

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। जीएसटी अधिकारियों और व्यापारियों द्वारा राकेश मार्ग पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जीएसटी विभाग के अपर आयुक्त मानवेंद्र सिंह ने सरकार द्वारा व्यापारियों के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मानवेंद्र सिंह ने व्यापारियों को सलाह दी की वह अपनी रिटर्न निल में भरने के बजाय कम से कम एक हजार रुपए का टैक्स अवश्य भरे। यह व्यापारियों के लिए काफी लाभप्रद होता है । उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने पंजीकृत व्यापारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर 10 लाख रुपए बीमा की योजना बनाई है। इसके तहत यदि किसी व्यापारी के साथ आकस्मिक दुर्घटना होती है और उसकी मृत्यु हो जाती है तो उसके पारिवारिक सदस्यों को केवल विभाग में पंजीकरण करना होगा। उसके बाद विभाग खुद ही 10 लाख रुपये की धनराशि मृतक आश्रितों को उपलब्ध करा देती है। गाजियाबाद में पिछले साल आकस्मिक मृत्यु होने पर तीन व्यापारियों के मृतक आश्रितों को 10-10 लाख रुपये के चेक दिए गए थे। इस मौके पर व्यापारियों के कई सवालों के जवाब अधिकारियों ने दिए। शोरूम के अध्यक्ष योगेश सलूजा ने आए हुए अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। स्थानीय पार्षद उदित मोहन गर्ग ने सभी का धन्यवाद अदा किया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष प्रीतम लाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर गौरव गर्ग, उदित मोहन गर्ग, अंकुर गर्ग, विजय चौहान, कफील मलिक, ब्रह्मपाल यादव श्याम किशोर शुक्ला सहित व्यापारी मौजूद रहे।

गम्भीर सिंह पीसीएस अपर जिलाधिकारी (नगर), गाज़ियाबाद की हुई भावुक विदाई

लव यू गाज़ियाबाद, थैंक यू गाज़ियाबाद

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। 'लव यू गाज़ियाबाद, थैंक यू गाज़ियाबाद' यह केवल शब्द नहीं हैं, यह मेरी आत्मा की आवाज एवं मेरी भावना है, जो उस रिश्ते को बयान करती है जो मैंने गाज़ियाबाद की धरती से, इसके लोगों से और इसकी जड़ो से जोड़ा है। जब मुझे शासनादेशानुसार अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), आजमगढ़ के रूप में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, तो यह अवसर केवल स्थानांतरण का नहीं, बल्कि आत्ममंथन, कृतज्ञता और आप सभी के प्रति सच्चे प्रेम का भी है। मेरी प्रशासनिक यात्राझ्रएक सारगर्भित यात्रा : पूर्व कई सेवा के उपरांत मैंने राजस्व विभाग में अपने सेवाकाल की शुरूआत उपजिलाधिकारी मुरादाबाद के रूप में की थी। तत्पश्चात उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के रूप में अमरोहा, बलिया, मुरादाबाद व अन्य ज़िलों में कार्य किया। लगभग आज से 3 साल 7 महीने पहले सिटी मजिस्ट्रेट के रूप में मुझे गाज़ियाबाद में सेवा का अवसर मिला। और फिर आप सभी के आशीर्वाद से मुझे अपर जिलाधिकारी (नगर), गाज़ियाबाद के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। यह मेरा सौभाग्य रहा कि हर ज़िले में मैंने प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ जनसेवा, शिक्षा व स्कूलो से विशेष जुड़ाव रखकर उनके लिए काम किया, अपना कार्यालय और आवास जनता के लिए 24 घंटे खुला रखा, समाजसेवा को भी अपना कर्तव्य समझा-परंतु गाज़ियाबाद में यह अनुभव एक जीवंत मिशन बन गया।

गाज़ियाबाद : मेरा कर्मस्थलि बन गया, मेरा परिवार बन गया, यह नगर केवल मेरे प्रशासनिक दायित्वों का केन्द्र नहीं रहा, बल्कि मेरे शिक्षण व आत्म-विकास की भूमि भी बना। मैंने यहीं से एमबीए की पढ़ाई IMT COLLEGE से पूरी की। मैंने निरंतर शिक्षा के लिए युवाओ का शिक्षकों का और स्कूलों का मार्गदर्शन के रूप में भूमिका भी निभाई, जिससे मुझे न केवल विद्यार्थियों से जुड़ाव मिला, बल्कि सार्थक संवाद और सीखने की निरंतरता भी बनी रही। 'नया विचार नई ऊर्जा फाउंडेशन' जैसे संगठनों के माध्यम से हमने गोपनीय रूप से सैकड़ों जरूरतमंद बच्चों की सहायता की-उनके चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास लौटाया। यह मेरा विश्वास रहा कि जो भी व्यक्ति मेरे कार्यालय में आया, वह समाधान और सम्मान लेकर ही लौटा। आप सभी के नाम मेरी कृतज्ञता। गाज़ियाबाद के सम्मानित नागरिकगण, मैं विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूँ।

मेरे मार्गदर्शक पूर्व जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह व इंद्र विक्रम सिंह का एवं वर्तमान में जिलाधिकारी गाजियाबाद दीपक मीणा, उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण अतुल वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अभिनय गोपाल, नगर आयुक्त आदित्य विक्रम सिंह मलिक, एडीएम के रूप में ऋतू सुहास, रन विजय सिंह अन्य सम्मानित अधिकारीगण मेरे साथी प्रशासनिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण, समस्त मिडिया बंधुओं, किसान भाई, अधिवक्तागण का विद्यालयों व कॉलेजों के प्रधानाचार्य शिक्षक एवं छात्रगण, प्रबंधक, मैनेजमेंट कॉलेज एवं इंडस्ट्री प्रतिनिधिगण, केन्द्रीय व राज्य सेवा के कर्मठ अधिकारीगण, सिविल डिफेंस, व्यापारी बंधु एवं उद्यमीगण, समस्त सामाजिक संस्थाएँ एवं प्रेरक कार्यकर्ता आदि का। आप सभी ने मुझे सिर्फ एक अधिकारी नहीं, बल्कि अपना भाई, मित्र और सहयोगी मानकर जो प्रेम व समर्थन दिया, वह मेरे जीवन का अमूल्य निधि है। मैं जानता हूँ कि मैं आप सभी से व्यक्तिगत रूप से विदा नहीं ले सकता, परंतु मेरे मन में गाज़ियाबाद की माटी, इसकी मुस्कुराहटें और आपकी भावनाएं मेरे साथ हर समय दिल में रहेंगी।

नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भूपेंद्र डबास का किया भव्य स्वागत

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। गुरुवार को रालोद कार्यालय कविनगर पर नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भूपेंद्र डबास पहुंचे। सभी रालोद कार्यकताओं ने मिलकर फूल मालाओं के साथ बधाई और शुभकामनाएं दी और सब ने मिलकर भूपेंद्र डबास के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्री/लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह एवं राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) त्रिलोक त्यागी का आभार व्यक्त किया। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से तेजपाल सिंह राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, इंद्रजीत सिंह टीटू राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, प्रदेश महासचिव रविंद्र चौहान, राष्ट्रीय महासचिव विजय कौशिक, प्रदेश सचिव ओडी त्यागी, खेल प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष संजीव अरोड़ा आदि उपस्थित रहे।

विधायक संजीव शर्मा ने गाजियाबाद शहर विधानसभा में पानी की समस्या का समाधान करने की मुहिम शुरू की

विधायक संजीव शर्मा ने अपने चौधरी मोड़ स्थित कार्यालय पर सभी विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक लेकर समस्या का जल्द से जल्द समाधान कराने के निर्देश दिए

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। विधायक संजीव शर्मा गाजियाबाद शहर विधानसभा को आदर्श शहर बनाने की मुहिम में जुटे हैं। इसी कडी में अब उन्होंने क्षेत्र की पानी की समस्या का समाधान कराने का कार्य शुरू कर दिया है और इसके लिए उन्होंने गुरूवार को उन्होंने अपने चौधरी मोड़ स्थित कार्यालय पर सभी विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण मीटिंग की। विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार अजय चोपड़ा ने बताया कि बैठक में विधायक संजीव शर्मा को बताया गया कि गाजियाबाद शहर विधानसभा में जल निगम द्वारा पानी की सप्लाई के लिए 5 वर्ष पहले पांच टंकिया बनाई गई थी। पानी की सप्लाई को लेकर शहर को पांच जोन 1, 2, 4, 5 व 7 में बांटा गया मगर क्षेत्र के हजारों लोगों को अभी तक पानी का कनेक्शन नहीं दिया गया है। साथ ही जल निगम द्वारा पाइपलाइन डालने हेतु जो सड़क खोदी गई वह भी आज तक भी नहीं बनाई गई है। इस पर संजीव शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन लोगों को पानी के कनेक्शन नहीं दिए गए हैं, उन्हें तुरंत ही कनेक्शन दिए जाएं। पानी की पाइप लाईन डालने हेतु खोदी गई सड़क को तुरंत बनाया जाए। मुख्य अभियंता आर के पंकज गाजियाबाद क्षेत्र ने जल्द से जल्द इस समस्या का निदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में अधिशासी अभियंता विद्युत यांत्रिक सी एस सौलंकी, अधिशासी अभियंता संजय कुमार, अधिशासी अभियंता ब्रह्मानंद, जूनियर इंजीनियर सोनू, जूनियर इंजीनियर विपिन कुमार आदि मौजूद रहे।

अहिल्याबाई होल्कर भारत की सांस्कृतिक चेतना और नारी शक्ति की प्रतीक: गुंजन शर्मा

अहिल्याबाई का प्रशासनिक मॉडल आज भी 'सुशासन' का आदर्श उदाहरण है, जिसकी झलक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व स्पष्ट दृष्टिगत है

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। भारतवर्ष की महान विरासत में जिन महान व्यक्तित्वों ने देश की संस्कृति, धर्म और शासन परंपरा को नई दिशा दी, उनमें देवी अहिल्याबाई होल्कर का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। अहिल्याबाई होल्कर भारत की नारी शक्ति की प्रतीक हैं। जहां-जहां आक्रांताओं ने मंदिर को क्षति पहुंचाई, वहां-वहां जाकर अहिल्याबाई होल्कर ने मंदिर बनवाने का काम किया। काशी विश्वनाथ से लेकर सोमनाथ मंदिर तक का जीर्णोद्धार भी अहिल्याबाई होल्कर ने कराया। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा लगवाई है। ऐसी महान वीरांगना की 300वीं जयंती स्मृति अभियान (त्रिशताब्दी वर्ष) को जनता तक लेकर जाना है। अहिल्याबाई होल्कर न केवल मालवा की रानी रहीं, बल्कि धर्म, सेवा और सुशासन का जीवंत उदाहरण रहीं। अहिल्याबाई का जन्म 31 मई, 1725 को महाराष्ट्र के चोंडी गांव में हुआ था। एक सामान्य किसान परिवार से आने वाली अहिल्याबाई ने जो उपलब्धियां हासिल कीं, वे आज के भारत के लिए प्रेरणा हैं। जब हम नारी शक्ति की बात करते हैं, तो अहिल्याबाई का जीवन हमें बताता है कि भारतीय संस्कृति में स्त्रियां हमेशा से नेतृत्व और समाज निर्माण की धुरी रही हैं। पति और पुत्र की असामयिक मृत्यु के बाद जब हर कोई उनके जीवन को समाप्त मान रहा था, तब उन्होंने धैर्य, विवेक और धर्म को अपने मार्गदर्शक बनाकर 1767 में होल्कर राज्य की बागडोर संभाली। वे ऐसी शासिका रहीं, जिसने शासन को केवल शक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा और जनकल्याण का साधन बनाया। महेश्वर को राजधानी बनाकर उन्होंने न्यायप्रिय, ईमानदार और जनसंपर्क पर आधारित शासन व्यवस्था स्थापित की। वे प्रतिदिन प्रजा की समस्याएं स्वयं सुनती थीं। उनका प्रशासनिक मॉडल आज भी 'सुशासन' का आदर्श उदाहरण है, जैसे कि आज के भारत में अपने देश के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देखा जाता है। परंतु उनका सबसे बड़ा योगदान भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को पुनर्स्थापित करना रहा। जब विदेशी आक्रांताओं ने हमारे मंदिरों को नष्ट कर दिया, तब अहिल्याबाई ने काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, अयोध्या, द्वारका और अन्य तीर्थस्थलों पर मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया। वे एक धर्मरक्षक थीं जो न केवल धार्मिक थीं, बल्कि सभी धर्मों और वर्गों के प्रति सहिष्णु और न्यायप्रिय थीं। उनका जीवन 'कर्मयोग' का साक्षात रूप था नि:स्वार्थ सेवा, धर्मपालन और प्रजापालन उनका लक्ष्य रहा। उन्होंने न केवल शासन किया, बल्कि भारत की आत्मा को जीवित रखा। आज जब भारत पुन: सांस्कृतिक जागरण के मार्ग पर है, जब हम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की बात करते हैं, तो हमें अहिल्याबाई जैसे व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेनी चाहिए। भाजपा के नेतृत्व में आज का भारत भी उन्हीं मूल्यों सेवा, सुशासन और संस्कृति को आत्मसात कर रहा है, जिनका आधार लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने सदियों पहले रखा था।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने किया ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस कलेक्ट्रेट, गाजियाबाद का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सुरक्षा के मद्देनजर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। उन्होंने सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि सीसीटीवी द्वारा की जा रही निगरानी का पैरामीटर पूर्ण हो एवं निरंतर उनकी जांच करते रहें, नियमानुसार सीसीटीवी का बैकअप सुरक्षित रखा जाएं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कोई चूक नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारी/कर्मचारियों सहित मनोज कुमार बहुजन समाज पार्टी, सुभाष चन्द्र शर्मा भारतीय जनता पार्टी, ताहिर हुसैन समाजवादी पार्टी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय लोकतंत्र सेनानी मिलन समारोह को पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने किया संबोधित

देश की सुरक्षा और सेना पर उंगली उठाने वालों को प्रखरता से जवाब दें: भगत सिंह कोश्यारी

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। देश में लगे आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पंचायत फरीदनगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर मैं दो दिवसीय लोकतंत्र सैनानी मिलन समारोह के समापन अवसर पर उत्तराखंड पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी ने किया लोकतंत्र सेनानियों को संबोधित।

गुरुवार को लोकतंत्र सेनानी मिलन समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि एक समय पर आप सभी ने लोकतंत्र को बचाने के लिए संघर्ष किया था। लेकिन वर्तमान समय देश की सुरक्षा को बचाने का है आप सभी उपस्थित जनों को आज देश सुरक्षा और सेना पर उंगली उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। उन्होंने कहा बाहर के दुश्मनों से अधिक खतरनाक देश के अंदर छुपे हुए दुश्मन है जिनको पहचान कर उन्हें जवाब देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। प्रधानमंत्री मोदी ने आपदा को अवसर बनाते हुए कोरोना काल में वैक्सीन बनाकर के पूरे विश्व को भारत की वैज्ञानिकता के बारे में ज्ञान कराया इसके अलावा पाकिस्तान के आतंकवाद का जवाब देते हुए कुछ ही दिन पूर्व भारत ने जिस प्रकार से आतंकियों के ठिकानों पर हमला करके भारत के द्वारा निर्मित स्वदेशी नवीन शस्त्रों का प्रदर्शन किया उससे पूरा विश्व आश्चर्यचकित है और विश्व ने हमारी सैन्य शक्ति का लोहा माना है। इस अवसर पर कार्यक्रम मुख्य वक्ता महावीर द्वारा अपने संबोधन में आपातकाल के विरुद्ध आंदोलन की भूमिका और उसके संघर्ष की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आज जो लोग संविधान को हाथ में लेकर संविधान की रक्षा की बात करते हैं उन्हीं की सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों पर समय कितने अत्याचार किए थे

जिसे हम सभी प्रत्यक्ष उदाहरण है इसलिए आज हमें फिर से संविधान और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए आगे आना चाहिए। कार्यक्रम अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार अटल ने कहा आज फिर एक नई क्रांति की आवश्यकता है जो भारत को फिर से विश्व का सिरमौर बनाएगी। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक सुरेश गुप्ता द्वारा सभी को धन्यवाद प्रेषित करते हुए बताया कि भारत के मूल मंत्र वसुदेव कुटुंबकम की विचारधारा ही विश्व की शांति का मार्ग है जो भारत से होकर के जाता है। कार्यक्रम में प्रचारक मनीराम, गोविंद भारद्वाज, पवन गोयल आदि मंच पर मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन विश्व बंधु सचदेवा के द्वारा किया गया। अन्य मौजूद रहे लोगों में व्यवस्था प्रमुख आनंद व रणपाल सहित 105 वर्षीय सत्यप्रकाश के अलावा रमेश सिंह राघव, मनीष प्रकाश, डॉ० आर० के० पाठक, राम प्रसाद लखनऊ, दीपचंद, अशोक माहेश्वरी, हीरालाल, नयन सिंह आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज त्र्यंबकेश्वर नील गिरि पर्वत पहुंचे

त्र्यंबकेश्वर- नासिक में 2027-28 में लगने वाले सिंहस्थ कुंभ महापर्व को लेकर श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के नेतृत्व में भूमि का निरीक्षण हुआ

हिन्द आत्मा संवाददाता

त्र्यंबकेश्वर। वर्ष 2027-28 में त्र्यंबकेश्वर-नासिक में लगने वाले सिंहस्थ कुंभ महापर्व को लेकर होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर गाजियाबाद के पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता व दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज गुरूवार को त्र्यंबकेश्वर पहुंच गए। त्र्यंबकेश्वर नील गिरि पर्वत पर संतों का प्रवेश जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के नेतृत्व में हुआ। उनके नेतृत्व में भूमि का नाप-तोल व निरीक्षण हुआ और कहां क्या बनेगा, इस पर चर्चा हुई। श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने सभी मणियों के श्रीमहंतों, महामंडलेश्वर व जूना अखाडे के पदाधिकारियों के साथ भूमि का निरीक्षण किया। 12 ज्योर्तिलिंग में शामिल त्र्यंबकेश्वर महादेव, नीलकंठ महादेव, दत्त भगवान व मां अन्नपूर्णा का दर्शन-पूजन भी हुआ।

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के वरिष्ठ सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज, वरिष्ठ सभापति श्रीमहंत उमाशंकर भारती महाराज, वर्तमान सभापति श्री महंत मोहन भारती महाराज, जूना अखाड़ा के उपाध्यक्ष श्रीमहंत केदारपुरी महाराज, महामंत्री श्रीमहंत महेश पुरी महाराज, महामंत्री श्रीमहंत शैलेंद्र गिरि महाराज, सचिव श्रीमहंत कंचन गिरि महाराज, दिल्ली संत महामंडल के कोषाध्यक्ष महंत धीरेंद्र पुरी महाराज, श्रीमहंत रामेश्वर गिरि महाराज, मंत्री मृत्युंजय पुरी महाराज, थानापति महंत जनक पुरी, थानापति नीलकंठ महाराज, श्रीमहंत विष्णु गिरि महाराजश मंत्री उज्जैन रामेश्वरानंद गिरि महाराज, श्रीमहंत कमल गिरि महाराज थानापति आदित्य गिरि महाराज, महामंडलेश्वर शारदानंद गिरि महाराज, अखाडे के पंडित आचार्य त्रिविक्रम महाराज, सरला, ठेकेदार सुबोध आदि भी मौजूद रहे। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि सिंहस्थ महाकुंभ पर्व तीन खंडों में होगा। पहले खंड का शुभारंभ 31 अक्टूबर 2026 को होगा और इसका समापन 25 जनवरी 2027 को होगा। दूसरा खंड 26 जुलाई 2027 से शुरू होगा और इसका समापन 26 नवंबर को होगा। तीसरे खंड का शुभारंभ 28 फरवरी 2028 को होगा और इसका समापन 24 जुलाई को होगा। संयासियों का स्नान त्र्यंबकेश्वर में गोमती के तट पर होगा और वैष्णवों का स्नान नासिक में गोदावरी के तट पर होगा। उन्होंने बताया कि नासिक में सिंहस्थ कुंभ मेला एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जो हर 12 साल में होता है। यह मेला गोदावरी नदी के किनारे त्र्यंबकेश्वर में आयोजित किया जाता है, जो बारह ज्योतिलिंगों में से एक है।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह, मेधावी छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

हिन्द आत्मा संवाददाता

मेरठ। पल्लवपुरम स्थित एमआईईटी पब्लिक स्कूल में बुधवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शैक्षिक उपलब्धियों और साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ चेयरमैन विष्णु शरण, निदेशक अजय बंसल और प्रधानाचार्या नवनीत चड्ढा ने दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्कूल गीत और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को उल्लासमय बना दिया। प्रधानाचार्या नवनीत चड्ढा ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके उपरांत सुप्रीत, अयांश, साईयांशी, रुद्रांश, विदुषी, प्रांजल, अखंड प्रताप, परीक्षित और दिव्या सोम सहित कई छात्रों को शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। साइंस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले अनाया चौहान, माहिर जैन, वीर प्रताप, रेयांश बालियान, अंशिका चौहान, अयांश काम्बोज, विराज बालियान, मनु कश्यप, आयुष, समर पालीवाल, परीक्षित पालीवाल, प्रांजल चौधरी, रिपुदमन सिंह और सृष्टि तोमर को भी पुरस्कृत किया गया। एमआईईटी ओलंपियाड में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले गौरी, अयांश काम्बोज, मनु कश्यप, विदुषी भारद्वाज और शिवाय भारद्वाज को विशेष सम्मान मिला। वहीं अभिनव चौहान को शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए सम्मानित किया गया। चेयरमैन विष्णु शरण ने सभी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। साथ ही अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों का आत्मविश्वास बनाए रखें और हर परिस्थिति में उनका मनोबल बढ़ाएं।

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार का अनचाहा भार

विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा एक असामान्य घटनाक्रम के तहत भ्रष्टाचार के एक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तीन अधिकारियों को उसी सीबीआई की हिरासत में भेज देना न केवल चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है बल्कि विडम्बनापूर्ण है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन सीबीआई जैसी जांच एजेन्सी में भ्रष्टाचार का पदार्फाश होना इस सूरज को उदित होने से पहले ही अंधेरा की ओट में ले रहा है। इससे भी बड़ी त्रासद एवं निराशाजनक है गुजरात में 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में मंत्री बच्चू भाई खाबड़ के दो बेटों का गिरफ्तार होना। राजनीति एवं कार्यपालिका के साथ न्याय पालिका के क्षेत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिलना भ्रष्टाचार के सर्वत्र व्याप्त होने को दर्शा रहा है। जनता कब तक भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोती रहेगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचारमुक्त आदर्श राष्ट्र-निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे? कैसे आजादी के अमृत काल में ईमानदार राष्ट्र बना पायेंगे?

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने 25 अप्रैल को सीबीआई के तीन अधिकारियों के भ्रष्टता पर अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई, ईडी और ऐसे अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का अनूठा मामला है, जिसने हमारी कार्यपालिका और जांच तंत्र की पूरी संरचना को हिलाकर रख दिया है। इन एजेंसियों का प्राथमिक कर्तव्य अपराध की जांच करना और भ्रष्टाचार के दोषियों को सजा दिलाना है। लेकिन इन उच्च जांच एजेन्सियों के आला अधिकारी ही भ्रष्ट हो तो दूसरों के भ्रष्टाचार मामलों में निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण जांच की उम्मीद कैसे संभव है? सीबीआई-भ्रष्टाचार एकमात्र मामला नहीं है, बल्कि यह विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच एक ह्यबड़ी साजिशह्न को दशार्ता है, जो अनुचित लाभ या प्रभाव डालने समेत इन विभागों के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए रिश्वत के मामले को दशार्ता है। अब सर्वोच्च न्यायालय के जज भी ऐसे मामलों में लिप्त हो तो समस्या की गंभीरता को सहज ही समझा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ एवं संवेदनशील मौका है। अब इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और जांच कमिटी बनाकर उसकी रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। अब अगर जस्टिस वर्मा का यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। लेकिन विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है? ताकि जजों के भ्रष्टाचार की उचित सजा उनको मिल सके, ऐसी प्रक्रिया से ही न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य भी निभा सके। भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों एवं भ्रष्ट लोगों को बचाने तक ही सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी छीन रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक	:	अशोक कौशिक
समाचार सम्पादक	:	राकेश शर्मा
कानूनी सलाहकार	:	राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो.	:	9810149213
फोन	:	0120-4113213
E-mail	:	hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

काल्पनिक लाभ एवं विकास की बलिवेदी पर चढ़ा हमारा शौर्य?

डॉ. अशोक कुमार गदिया
अध्यक्ष, मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गाजियाबाद

अभी हाल ही में हम सबने देखा कि पहलगाम कश्मीर में पाकिस्तान की प्रायोजित एवं प्रशिक्षित सेना के गुन्डों ने हमारे निर्दोष भारतीयों की उनका मजहब पूछकर निर्मम हत्या कर दी। इस हत्याकांड में 26 निर्दोष जानें उनके परिवारजनों के सामने गईं। यह कुकृत्य पाकिस्तान सेना द्वारा पहली बार नहीं किया गया है, यह सिलसिला सन्-1948 से चला आ रहा है। हर बार हमारा समाज एवं सरकार यह निर्णय लेती है कि हम इस तरह के हत्याकांड को करने वाले आतंकवादियों से सख्ती से निबटेंगे। इन्हें कड़ी से कड़ी सजा देंगे और आतंकियों और आतंकवाद का खात्मा करके ही चैन लेंगे। हम कई वर्षों से बेचैन हैं। आतंकवाद से परेशान हैं। पीड़ित हैं। भुक्तभोगी हैं। पर कुछ नहीं कर पा रहे हैं। जितना इस बीमारी का इलाज करते हैं, बीमारी उतनी ही बढ़ती जाती है। बल्कि यह बीमारी हर बार एक नया दर्द लेकर हमारे सामने आती है। इस बार यह नया दर्द पहलगाम की घटना के रूप में मिला है। जिसने भारतीय समाज को झकझोर दिया है। समाज के हर व्यक्ति चाहे वह किसी जाति सम्प्रदाय का हो यह मजहब का, सबने एक आवाज में कहा कि आतंकियों को मौत की सजा दो और आतंकवाद को पालने-पोसने वाली शक्तियों को सबक सिखाओ। पहली बार पाकिस्तानी आतंकवाद के विरोध में कश्मीर की जनता भी खुलकर सड़कों पर उतरी। सभी राजनैतिक दलों ने अपने आपसी मतभेद भुलाकर एक आवाज में सरकार का साथ देने का वादा किया और साथ भी दिया। हमारी सेना पाकिस्तान को करारा जवाब देने और वहां छिपे आतंकियों को चुन-चुनकर मारने के लिए पूर्णरूप से तैयार एवं सक्षम भी है। ऐसे में यदि पाकिस्तान की सेना लड़ने आए तो उससे भी दो-दो हाथ कर उसे पूरी तरह परास्त करने को तैयार है। हमारे एक-एक जवान की यह दृढ़ इच्छा है कि यदि इस बार पाकिस्तान से लड़ने का मौका मिल जाए तो उसे छठी का दूध याद दिला देंगे।

दुश्मनों का सर्वनाश कर उनका अस्तित्व ही खत्म कर देंगे। भारत की जनता तन, मन और धन से पूरी तरह से सरकार के साथ है। वह सरकार में बैठे हमारे मुखिया आदरणीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से आस लगाये बैठी है कि मोदी जी इस बार आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे और हमें हमारा कश्मीर सम्पूर्ण रूप से मिलेगा। पाकिस्तान में प्रताड़ित बलूची समाज को अपना स्वतंत्र राष्ट्र मिलेगा। बंगलादेश में बैठे मजहबी कठमुल्लाओं, आतंकियों एवं उन्मादी गुन्डों को कड़ी सजा मिलेगी। भारत अपने स्वाभिमान के साथ विश्व पटल पर अपना तिरंगा फहराएगा और विश्व को दिखाएगा कि हम शांतिप्रिय हैं। लेकिन यदि हमें कोई छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। हमारे यहां मजहबी आतंकवाद एवं जिहाद का कोई स्थान नहीं है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने अपने हर भाषण में यही कहा कि मैं किसी भी कीमत पर देश नहीं झुकने दूंगा। भारत का मान बढ़ाऊंगा। सात मई को जब संघर्ष शुरू हुआ तो हमारी सेना ने संयम बरतते हुए सटीक निशाने लगाये। सम्पूर्ण विश्व ने हमारी तकनीक के साथ हमारी ताकत का बेहतरीन प्रदर्शन देखा। हमने पाकिस्तान की बचकानी हरकतों को भी बड़ी कुशलता के साथ कुचला। अभी हमारी थल सेना मैदान में उतरकर आर-पार की लड़ाई की तैयारी कर ही रही थी कि इतने में पता नहीं क्या हुआ, अचानक सीजफायर का ऐलान हो गया। उधर, चीन एवं अमेरिका सक्रिय हुए। उन्होंने पाकिस्तान को आईएमएफ से बड़ी तादाद में सहायता राशि दिलवा दी, हथियार दिये एवं भारत पर युद्धविराम का दबाव बनाने लगे। फिर हम बिना किसी विरोध के उनके दबाव में आ गये और युद्धविराम की घोषणा कर बैठे। जबकि अभी युद्ध तो आरम्भ ही नहीं हुआ था। यह तो ऐसा हुआ जैसे वार्म अप एक्सरसाइज में ही दोनों पहलवान थक गये और बिना अखाड़े में उतरे अपने-अपने घर लौट गये। भारत सरकार एवं हमारे प्रधानमंत्री जी पर ऐसा क्या दबाव था जिसने भारत की आम जनता की इच्छा एवं आकांक्षा के विरुद्ध ऐसा निर्णय लेने पर मजबूर किया, यह भारत की आम जनता जानना चाहती है। विपक्षी राजनीति के पैरोकारों ने यह बात फैला रखी है कि आज भारत की आम जनता अपने आपको ठगा और सहमा हुआ-सा महसूस कर रही है। यह भी चर्चाओं में है कि इस पूरे घटनाक्रम में टीवी मीडिया अपनी विश्वसनीयता खो बैठा है। टीवी चैनल देखने का बिल्कुल मन नहीं करता है। ऐसा लगता है कि ये सब झूठ बोल रहे हैं। कुछ अखबारों में प्रकाशित लेखों में यह पढ़ने को मिल रहा है कि यदि हम युद्धविराम नहीं करते तो पाकिस्तान बिना युद्ध आरम्भ किये ही परमाणु बम चलाने वाला था! उधर, विदेशी महाशक्तियां यह भी तर्क दे रही हैं कि पाकिस्तान तो बरबाद देश है, भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, हमें दिमाग से काम लेना चाहिए। यह युद्ध का समय नहीं है। हमें तो विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। अगर युद्ध में जाएंगे तो बरबाद हो जाएंगे! तर्क यह भी दिया जा रहा है कि हमें तो केवल पहलगाम हत्याकांड का बदला लेना था, वही हमारा लक्ष्य था। और...वह हमने ठोस योजना बनाकर जांबाजी के साथ आतंकवादियों के ठिकाने नेस्तनाबूद करके ले लिया है। साथ ही पाकिस्तान के हमलों का मुंहतोड़ जवाब भी दे दिया है। उनके महत्वपूर्ण ठिकानों को बर्बाद करके अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल भी कर लिया है। और....यह हकीकत भी है कि हम अमेरिका, चीन एवं इंग्लैंड को नाराज कर अपनी अर्थव्यवस्था नहीं चला सकते। अतः यदि वे लोग नहीं चाहते तो हम युद्ध नहीं कर सकते। शायद यही कारण है कि युद्ध का फैसला हमारे प्रधानमंत्री, हमारी मंत्रिपरिषद, हमारे सेना प्रमुख एवं हमारे सुरक्षा सलाहकार अकेले अपने दम पर नहीं कर सकते। यह तो हमारे देश के बाहर बैठी आर्थिक शक्तियां जैसे अमेरिका, यूरोप के देश, चीन आदि ही तय करते हैं कि हमें कब युद्ध करना है और कब युद्धविराम कर देना है। उन्हें लगता है हमारी संम्प्रभुता अब हमारे हाथों में नहीं है। हम अपनी आर्थिक सम्प्रभुता काफी पहले सन्-1990 में ही खो चुके हैं। विदेशी महाशक्तियां समझती हैं कि हम अपनी राजनैतिक, सामरिक, प्रशासनिक एवं सैन्य सम्प्रभुता भी कब की खो चुके हैं, इसका अंदाजा अभी भारत की अवाम को नहीं है। जैसा प्रकरण 9 एवं 10 मई की रात को हुआ, उसे देखकर अब हमारे विपक्षी राजनेताओं में आम चर्चा है कि हमारे आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक अधिकार एवं हमारी सम्प्रभुता विदेशों के हाथों गिरवी रख दी गई है। वरना अमेरिका एवं चीनी राष्ट्राध्यक्ष भारत के मामलों में हस्तक्षेप करने वाले कौन होते हैं? वे कैसे हमारी सरकार को मजबूर कर सकते हैं कि आप अचानक पाकिस्तान के फोन पर तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर देते हैं। कहां तो आप समग्र एवं निर्णायक युद्ध की तैयारी कर रहे थे, कहां आप युद्धविराम की घोषणा कर रहे हैं। विपक्षियों का मानना है कि जनभावना के विरुद्ध की गई युद्धविराम की घोषणा हमेशा हमारे राजनैतिक नेतृत्व को भारी पड़ी है। चाहे वह 1948 में या 1962 में पंडित नेहरू द्वारा की गई हो या फिर 1971 में श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा जनभावना के विरुद्ध किया गया शिमला समझौता हो। लेकिन जहां तक सवाल विदेशी दबाव का है, यह दबाव तो हर समय रहा है। 1965 एवं 1971 में भारत की आंतरिक स्थिति तो आज के मुकाबले बहुत कमजोर थी और विदेशी दबाव आज से कई गुना ज्यादा था। भारतीय इतिहास गवाह है कि हमारे उस समय के प्रधानमंत्रियों ने उसे दरकिनार करते हुए अपने शौर्य का हमेशा सम्मान किया, जनभावना के अनुकूल काम किया, इतिहास में अमर हुए और भारत का मान बढ़ाया। आज हमारी आर्थिक उन्नति एवं हमारे चमचमाते विकास से पूरा विश्व चकित है। हमारे देश की एक अलग पहचान है। हमारे सर्वप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेशों में ससम्मान और दमदार उपस्थिति दर्ज होती है। भारतीय विद्वानों ने भी कहा है कि हमारा मान बढ़ता है अपनी सभ्यता, संस्कृति, आत्मसम्मान, हमारी सम्प्रभुता, हमारी आजादी, हमारे गौरव को सुरक्षित एवं सर्वर्द्धित करने से। हमारा मान बढ़ता है विपरीत परिस्थितियों में अभावग्रस्त रहते हुए लाख मुसीबतों को झेलते हुए विश्व पटल पर दृढ़ता के साथ खड़े रहने से। हमारा मान बढ़ता है अपने दुश्मनों का मुंहतोड़ जवाब देने से। हमारा मान बढ़ता है विदेशी व्यापारिक देशों की धमकियों को अनदेखा कर अपने लक्ष्य को हर सूरत में प्राप्त करने से। इतिहास ने जयपुर के धनाड्य एवं बलशाली राजा मान सिंह का सम्मान नहीं किया। इतिहास ने अभावग्रस्त होकर जंगलों में दर-दर भटकते, घास की रोटी से गुजारा करते और अपने स्वाभिमान की रक्षा करते हुए लड़ने वाले महाराणा प्रताप का सम्मान किया है। माना कि अमेरिका यूरोपीय देश एवं चीन विशुद्ध व्यापारी देश हैं। लेकिन यह याद रहे कि ये हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते हैं। हम 150 करोड़ की आबादी का देश हैं। इन्हें हमारी जरूरत है। हमें इनकी जरूरत बिल्कुल नहीं है। हमारा इनके बगैर गुजारा हो सकता है लेकिन इनका हमारे बगैर नहीं। यह अकाट्य सत्य है। हम भारत के लोग अभाव और गरीबी में रह सकते हैं पर अपना आत्मसम्मान खोकर नहीं। यह ब्रह्म वाक्य भारत के वर्तमान सत्ताधारी नेता भली प्रकार अपनाये हुए हैं। इसलिए यह बात हम सभी को ध्यान रखनी चाहिए कि जब तक पाकिस्तान की सेना को पूरी तरह से परास्त कर उनके सभी संसाधनों को नष्ट नहीं किया जाता, तब तक भारत में आतंकवाद कभी खत्म नहीं हो सकता। आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान में बैठे आतंकी सरगना नहीं हैं। भारत में आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान सेना है और वहां की सेना के आला अफसरों की जिहादी मानसिकता है। यदि हमें आतंकवाद को खत्म करना है तो पाकिस्तान से निर्णायक युद्ध करना होगा। यदि चीन या तुर्की जैसे अड़ियल देश बीच में आते हैं तो उनसे भी हमें निबटना होगा। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से भारत की अवाम की यह अपेक्षा है, आकांक्षा है और यह अटल विश्वास भी है कि वह हमारे पड़ोस में पनप रहे आतंकवाद एवं घृणा के वातावरण को अपनी अपार शक्ति का सदुपयोग करते हुए हमेशा के लिए समाप्त करेंगे। भारत का बच्चा-बच्चा जानता है कि मोदी है तो मुमकिन है। इसीलिए मोदी जी भी अपने प्रयासों से जन आकांक्षाओं को मुमकिन करने में जुटे हैं। हम भी तन, मन और धन से अपने प्रधान सेवक के साथ हैं। निश्चित ही जीत हमारी ही होगी।

जय हिन्द, जय भारत, वंदेमातरम

सरस्वती शिशु मंदिर नेहरू नगर गाजियाबाद में समर कैंप का शुभारंभ

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। सरस्वती शिशु मंदिर नेहरू नगर गाजियाबाद में विद्यालय की प्रधानाचार्य सुधा बाना के द्वारा समर कैंप का शुभारंभ किया गया। समर कैंप में बच्चों को विभिन्न प्रकार की एक्टिविटी आचार्यों के द्वारा सिखाई जाएगी एवं इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के क्रियात्मक कार्य कराए जाएंगे जो इस प्रकार है- जूडो कराटे, बैडमिंटन, शतरंज, विभिन्न प्रकार के डांस, फायरलैस कुकिंग, मेहंदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, स्विमिंग, म्यूजिक आदि। समर कैंप में लगभग 400 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा बाना ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को विभिन्न प्रकार के क्रियात्मक कार्य भी करते रहना चाहिए इससे बच्चे का मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन सं0- 181-IF-4, अपार्टमेंट नेहरू नगर-IIE, गाजियाबाद, पिन सं.- 39574 गाजियाबाद नगर निगम के सम्पत्तिकर अभिलेखों में दर्ज नाम के स्थान पर सुशील करनानी पुत्र स्व. राम कुमार करनानी द्वारा अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु दर्ज गृह स्वामी/ स्वामिनी का मृत्यु प्रमाण-पत्र व शपथ-पत्र, पहचान-पत्र, पारिवारिक सदस्यता सूची, अन्य वारिसानों का अनापत्ति शपथ-पत्र एवं निर्धारित शुल्क जमा करने के साथ प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदक/आवेदकगण के प्रार्थना-पत्र व संलग्न साक्ष्यों के आधार पर भवन सं.- 181-IF-4, अपार्टमेंट नेहरू नगर-IIE, गाजियाबाद, पिन सं.- 39574 पर नाम परिवर्तन किये जाने हेतु नियमानुसार नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213 की नोटिसें दिनांक 21.05.2025 को जारी की जा चुकी है। यदि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार प्रस्तावित नाम परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रमाणित साक्ष्यों के साथ लिखित रूप से जोनल कार्यालय सिटी जोन, गाजियाबाद नगर निगम को प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर आवेदक श्री सुशील करनानी का नाम भवन सं.- 181-IF-4, अपार्टमेंट नेहरू नगर-IIE, पर अंकित कर दिया जायेगा। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

कर अधीक्षक-सिटी जोन
नगर निगम गाजियाबाद।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन सं0- 126 चंद्रपुरी, गाजियाबाद, पिन सं.- 6129 गाजियाबाद नगर निगम के सम्पत्तिकर अभिलेखों में दर्ज नाम श्री छोटे लाल के स्थान पर श्रीमती सुमन रानी द्वारा अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु दर्ज गृह स्वामी/ स्वामिनी का मृत्यु प्रमाण-पत्र व शपथ-पत्र, पहचान-पत्र, पारिवारिक सदस्यता सूची, अन्य वारिसानों का अनापत्ति शपथ-पत्र एवं निर्धारित शुल्क जमा करने के साथ प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदक/आवेदकगण के प्रार्थना-पत्र व संलग्न साक्ष्यों के आधार पर भवन सं.- 126 चंद्रपुरी, गाजियाबाद, पिन सं.- 6129 पर नाम परिवर्तन किये जाने हेतु नियमानुसार नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213 की नोटिसें दिनांक 20.05.2025 को जारी की जा चुकी है। यदि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार प्रस्तावित नाम परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रमाणित साक्ष्यों के साथ लिखित रूप से जोनल कार्यालय सिटी जोन, गाजियाबाद नगर निगम को प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर आवेदक श्रीमति सुमन का नाम भवन सं.- 126 चंद्रपुरी, गाजियाबाद, पिन सं.- 6129 पर अंकित कर दिया जायेगा। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

कर अधीक्षक-सिटी जोन
नगर निगम गाजियाबाद।

सही कहा राहुल जी, देश को सच्चाई जानने का हक है

डॉ. आशीष वशिष्ठ

राहुल गांधी ने पोस्ट किया कि ह्यविदेश मंत्री की चुप्पी केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि यह निंदनीय है। मैं फिर से सवाल पूछता हूं: हमने कितने भारतीय विमान खोए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से जानकारी थी? यह चूक नहीं थी, यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है। फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखक वॉल्टेयर कहते हैं किह्न किसी भी व्यक्ति को उसके प्रश्नों से पहचानें, न कि उसके उत्तरों से। हमारे द्वारा किसी से भी पूछा गया प्रश्न यूं तो साधारण मालूम होता है, लेकिन यह हमारी संवेदनशीलता और चरित्र का भी मूल्यांकन करता है। इसलिए लिहाजा जब भी प्रश्न करना हो तो उससे पहले स्वयं से प्रश्न करना आवश्यक है। पिछले लगभग 11 वर्षों में राहुल गांधी भारत सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रश्न पूछते रहते हैं। प्रायः राहुल गांधी के प्रश्नों का मंतव्य देश, सेना और सरकार की छवि धूमिल करना होता है। अपनी आदत से मजबूर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। एक तरह से कह सकते हैं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे बड़े नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रमाण मांगे हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्न पूछने के कारण राहुल गांधी पुनः एक बार पाकिस्तानी मीडिया की आंखों के तारे बने हुए हैं। राहुल गांधी का यह पोस्ट पाकिस्तानी मीडिया में बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। राहुल गांधी के पोस्ट को पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया चैनलों और समाचार पत्रों ने भी हाथों-हाथ लिया है। कई टीवी डिबेट्स में इस पर चर्चा हो रही है। राहुल गांधी ने पोस्ट किया कि विदेश मंत्री की चुप्पी केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि यह निंदनीय है। मैं फिर से सवाल पूछता हूं: हमने कितने भारतीय विमान खोए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से जानकारी थी? यह चूक नहीं थी, यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है।

वैसे यह कोई प्रथम अवसर नहीं है जब कांग्रेस या उसके नेता ने देश के गौरव, उपलब्धि और सेना के पराक्रम को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और उरी सर्जिकल स्ट्राइक के समय भी कांग्रेस ने सेना से प्रमाण मांगे थे। भारतीय सेना स्पष्ट कर चुकी कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का कोई विमान हताहत नहीं हुआ। बावजूद इसके राहुल गांधी सेना के बयान को झूठा साबित करने में लगे हैं। ऐसा करके वो यह साबित करना

चाहते हैं कि भारतीय सेना सरकार के दबाव और कहने पर झूठ बोल रही है। सरकार ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देशवासियों से कुछ छिपा रही है। वास्तविकता यह है कि, भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जैसा विध्वंस पाकिस्तान में किया है, उतना 1965 और 1971 के युद्ध में भी नहीं हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने जो किया वह चीन, तुर्किए और अमेरिका को भी सदमे में डालने वाला है। भारतीय सेना हर बार की भांति इस बार भी अतुलनीय, अपराजेय और अगम्य रही। कांग्रेस पार्टी भी सच्चाई से अवगत है। लेकिन, मोदी सरकार को ऑपरेशन सिंदूर का कहीं श्रेय न मिल जाए, इसलिए वो क्षुद्र राजनीति पर उतर आई है। वास्तव में, कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते करते प्रायः राष्ट्र विरोध पर उतर आती है।

यह सर्वविदित है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष हिंदू पर्यटकों को निर्दयता से मारा। बावजूद इसके, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने पाकिस्तान की कड़े शब्दों में निंदा नहीं की? पाकिस्तान ही नहीं हमारे शत्रु चीन के साथ कांग्रेस के मधुर संबंध जगजाहिर हैं। कांग्रेस पार्टी का चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू, डोकलाम विवाद के समय राहुल गांधी का चोरी-छिपे चीनी दूतावास के अधिकारियों से मिलना, चीनी झड़प के दौरान सरकार-सेना पर सवाल उठाना, सरकार की जगह पार्टी से परिवार के लोगों का चीन जाना, कैलाश मानसरोवर की यात्रा के दौरान चीनी अधिकारियों से गुपचुप मुलाकात करना यह सब कांग्रेस पार्टी के साथ गांधी परिवार को संदेह के घेरे में खड़ा करता है। 11 नवंबर 2019 को तुर्किए की सरकारी न्यूज एजेंसी 'अनादोलू' ने एक खबर के मुताबिक, भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने तुर्की में अपना एक विदेशी कार्यालय खोला है। यह वहीं तुर्की है जो हमारे शत्रु पाकिस्तान को हथियार देता है। कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताता है। कश्मीर के आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी कहता है। ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। क्या ये भारत के खिलाफ खड़े देशों से मेलजोल का हिस्सा है? क्या कांग्रेस तुर्की के जरिए पाकिस्तान से बैकडोर संवाद कर रही थी? क्या ये भारत के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र है? राहुल जी, देश भी आपसे प्रश्न पूछना चाहता है। 1962 के युद्ध में कांग्रेस की सरकार ने हजारों वर्ग किमी जमीन चीन क्यों हड़पने दी? 1971 के युद्ध में कांग्रेस की सरकार अपने 54 वीर सैनिकों को पाकिस्तान से क्यों छुड़ा नहीं पाई? 1971 के युद्ध और शिमला समझौते से भारत को क्या हासिल हुआ? सिंधु जल संधि में भारत के हिस्से का पानी पाकिस्तान को क्यों दिया गया? तुर्की जैसे भारत विरोधी देश में आपकी पार्टी को आफिस खोलने की क्या जरूरत थी? चीन से गुपचुप मिलने और एमओयू साइन करने में कौन सा देश हित छिपा है? आतंकियों और उनके सरपरस्त पाकिस्तान के प्रति कांग्रेस पार्टी का रवैया हमेशा 'नरम' क्यों रहता है? देश को यह सच्चाई जानने का भी हक है। राहुल जी, पिछले कुछ वर्षों में आपने कई बार विदेशी मंचों का प्रयोग भारत को लेकर विवादास्पद बयान देने के लिए किया है। इस पर आपकी पार्टी का यह तर्क रहा है कि वे भारत की 'असली तस्वीर' दुनिया के सामने रख रहे हैं। लेकिन, राहुल जी आलोचना और अपयश में एक सूक्ष्म अंतर होता है। एक राष्ट्रीय नेता को यह समझना चाहिए कि देश और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए गए वक्तव्य केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की छवि, निवेशकों के भरोसे और वैश्विक कूटनीतिक संबंधों पर भी प्रभाव डालते हैं। राहुल जी, पंजाबी के चर्चित कवि शिव कुमार बटालवी ने लिखा है- ह्यचंगा हुंदा सवाल ना करदा मैंनूं तेरा जवाब लै बैठा। अर्थात प्रश्न न करना ही अच्छा रहता है क्योंकि प्रश्न के उत्तर में जो कहा गया वो प्रश्न करने वाले को ही ले बैठा अथवा उसे ही तोड़ डाला या समाप्त कर डाला।

श्री हेमकुंड साहिब, पवित्र तीर्थ स्थल की पवित्र यात्रा का आज श्री हेमकुंड साहिब गुरूद्वारा से शुभारम्भ

श्री हेमकुंड साहिब यात्रा श्रद्धा, सेवा और शौर्य की अद्वितीय गाथा

हिन्द आत्मा संवाददाता

ऋषिकेश। हिमालय की गोद में बसा, बर्फ से आच्छादित और भक्तिभाव से ओतप्रोत, श्री हेमकुंड साहिब तीर्थस्थल आज एक बार फिर आस्था की ज्योति से आलोकित हो उठा। इस दिव्य स्थल की पावन यात्रा का शुभारम्भ अत्यंत भावपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में श्री हेमकुंड साहिब गुरूद्वारा, ऋषिकेश से हुआ, जिसमें स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी का दिव्य सान्निध्य श्रद्धालुओं में एक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचारक बना। इस शुभ अवसर पर माननीय राज्यपाल, उत्तराखंड श्री गुरमीत सिंह जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्करसिंह धामी जी, माननीय विधानसभा अध्यक्ष, उत्तराखंड श्रीमती रितु खंडूरी जी, वन और पर्यावरण मंत्री श्री सुबोध उनियाल जी, माननीय विधायक श्री प्रेमचंद अग्रवाल जी, यमकेश्वर विधायक श्रीमती रेणु बिष्ट जी, श्री नरेन्द्र सिंह बिन्द्रा जी की गरिमामयी उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक गौरवशाली बना दिया। हिमालय की पहाड़ियों की ऊंचाई पर स्थित यह तीर्थ स्थल आध्यात्मिक ऊंचाई का प्रतीक है। यहां पहुँचते ही भक्तों को ऐसा अनुभव होता है जैसे वे स्वयं गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज की तपोभूमि में प्रवेश कर रहे हों। प्रकृति की विराटता और गुरुवाणी की मधुरता के साथ यह तीर्थ आध्यात्मिक उन्नति का दिव्य स्रोत है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा आस्था के साथ सेवा और सहकार की जीवंत मिसाल है। सरकार, प्रशासन, हजारों सेवादार, स्थानीय लोग, स्वयंसेवी संस्थाएँ और सुरक्षा बल मिलकर इस यात्रा को सफल बनाते हैं। यात्रा मार्ग की कठिनाइयाँ श्रद्धालुओं के हौसले को रोक नहीं पातीं, क्योंकि वहाँ सेवा का भाव हर मोड़ पर साथ चलता है।यह तीर्थस्थल हिमालय में है, और हिमालय केवल पर्वत नहीं, वह भारत की आत्मा है। हमें हेमकुंड साहिब की यात्रा करते समय पर्यावरण की शुचिता, जल स्रोतों की पवित्रता और वनों की रक्षा का विशेष ध्यान रखना होगा। आज जब श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा पुनः आरम्भ हुई है, यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक चेतना का पर्व है जो हमें यह स्मरण कराता है कि जब सेवा, श्रद्धा और साहस एक साथ चलते हैं, तो जीवन तीर्थ बन जाता है। स्वामी जी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस यात्रा को धार्मिक दृष्टि के साथ पर्यावरण, साहस और सेवा की पाठशाला के रूप में भी देखें। हेमकुंड साहिब एक तीर्थस्थल के साथ आत्मबल और आत्मशक्ति की चेतना है। श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा मानवता की एकता, वीरता और सेवा का प्रतीक है। यह यात्रा दिव्य धार्मिक साधना है, एक मानवीय अनुभव है, जो सभी को जोड़ता है। राज्यपाल, उत्तराखंड गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड की धरती पर सभी संगत का स्वागत करते हुये कहा कि ना जाने किस मोड़ पर नारायण मिल जाये। हेमकुंड साहिब की यात्रा आत्मा, आस्था और अध्यात्म की यात्रा है। पूरे उत्तराखंड़ व उत्तराखंड वासियों ने जो परिश्रम कर यात्रा को सहज बनाने में योगदान दिया उसके लिये बहुत बहुत धन्यवाद दिया। हमारे गुरूओं ने जो सबक और संदेश दिये उसे सम्पूर्ण मानवता के साथ साझा करना ही हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रद्धालुओं को आश्वासन दिया कि इस वर्ष यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धामयी बनाने के लिए राज्य सरकार ने हर संभव तैयारी की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य तीर्थाटन को पर्यावरण के अनुकूल, तकनीकी रूप से सक्षम और भावनात्मक रूप से समृद्ध बनाना है। उन्होंने कहा कि चार धाम यात्रा व हेमकुंड साहिब यात्रा को प्लास्टिक मुक्त यात्रा बनाने का आह्वान किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने श्री हेमकुंड साहिब प्रशासन और उपस्थित श्रद्धालुओं को हिमालय की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा भेंट कर सभी को मंगलमयी यात्रा की शुभकामनायें दी।

प्राधिकरण में रियल एस्टेट (रेगुलेशन एण्ड डेवलपमेंन्ट) एक्ट-2016 से सम्बन्धित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के निदेर्शानुसार रियल एस्टेट (रेगुलेशन एण्ड डेवलपमेंन्ट) एक्ट-2016 के संबंध में प्राधिकरण सभागार में गुरुवार को राजेश मेहतानी, (रिटायर्ड डायरेक्टर) सेन्टर फोर एक्सीलेंस एण्ड ट्रेनिंग, यू०पी० हाउसिंग एण्ड डवलपमेंट बोर्ड लखनऊ के द्वारा 03 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सुबह 10 बजे से प्रारम्भ हुआ, जिसमें राजेश मेहतानी, के द्वारा रेरा रियल एस्टेट (रेगुलेशन एण्ड डेवलपमेंन्ट) एक्ट-2016 से सम्बन्धित विभिन्न कार्यवाहियों, रेरा वादों की पैरवी, वादों के उत्तर तैयार करने, आदि विषयों को लेकर विस्तृत रूप से प्राधिकरण के अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें राजेश मेहतानी, द्वारा बताया गया कि रेरा में दायर वादों पर प्रभावी पैरवी, वाद पत्रों का सटीक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्तर तैयार कराना आदि विषयों पर विस्तृत रूप से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही रेरा के अधिकार एवं सम्बन्धित प्राधिकरण के दायित्वों को भी विस्तृत रूप से समझाया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अभियन्ता, विशेषकार्याधिकारी महोदया, समस्त अधिशासी अभियन्तागण, सहायक अभियन्तागण, अवर अभियन्तागण के साथ समस्त लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारी भी प्रशिक्षण में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। उक्त कार्यशाला दिनांक 23.05.2025 को भी नियत स्थान व समय पर आयोजित की जायेगी।

पुलिस के साथ स्कूली बच्चों द्वारा यातायात संचालन के दौरान यातायात नियमों का पालन करने हेतु लोगों को किया प्रेरित

हिन्द आत्मा/नितिन कुमार

कोटद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौडी के निदेर्शानुसार आमजन को यातायात नियमों के सम्बन्ध में जागरूक करने के साथ ही यातायात नियमों का पालन करने हेतु अधिक से अधिक प्रेरित किया जा रहा है। आज प्रभारी निरीक्षक यातायात संदीप तोमर के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम द्वारा कोटद्वार में राजकीय इंटर कॉलेज कुम्भीचौड के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के सम्बन्ध जानकारी देने के साथ ही उन्हें जागरूक करते हुए यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया।

इस दौरान पुलिस टीम द्वारा बच्चों को यातायात व्यवस्थाओं का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं को जूनियर ट्रैफिक फोर्स की टी-शर्ट व कैप का वितरण किया गया। छात्र-छात्राओं को पुलिस टीम के साथ मिलकर लाल बत्ती चौक कोटद्वार पर यातायात संचालन का भी व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान बच्चों में काफी उत्साह देखने को भी मिला। साथ ही बच्चों द्वारा लोगों को यातायात नियमों का पालन करने व ट्रैफिक रूल्स फॉलो करने हेतु भी जागरूक किया गया। बच्चों के द्वारा यातायात नियमों की सीख मिलने पर लोगों द्वारा भी भविष्य में यातायात नियमों को पालन करने का वादा किया गया।

मुख्य सचिव से विभिन्न किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने भेंट की

शासन के लिए किसानों का हित सर्वोपरि

लखनऊ (हिन्द आत्मा)। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से विभिन्न किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने भेंट की। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि शासन के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। किसानों की आय में वृद्धि के लिए शासन स्तर से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। विगत वर्षों में प्रदेश में गन्ना भुगतान की स्थिति बेहतर हुई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत गेहूं और धान के खरीद की पारदर्शी व्यवस्था और समयबद्ध भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जा रही है। उन्होंने किसान यूनियन द्वारा किसानों की बिजली, सिंचाई, राजस्व, खनन आदि से संबंधित समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अंश निर्धारण के मामलों का विशेष कैंप लगाकर निस्तारित किया जाये, ताकि किसानों को अनावश्यक न्यायालयों के चक्कर न लगाना पड़े। बैठक में एमडी यूपीपीसीएल पंकज कुमार, सचिव राजस्व एवं राहत आयुक्त भानू चन्द्र गोस्वामी, जिलाधिकारी लखनऊ विशाख सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण और किसान यूनियन के पदाधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

दाखिल खारिज के नाम पर लाखों की रिश्वत मांगने वाले तहसील लेखपाल को एंटी करप्शन विभाग ने किया गिरफ्तार

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। तहसील में एंटी करप्शन विभाग टीम ने छापा मार कार्रवाई करते हुए एक तहसील लेखपाल को लाखों रुपए की रिश्वत मांगने के आरोप में रंगे हाथ किया गिरफ्तार। जिसके खिलाफ मोदीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

गुरुवार को सरीत लेखपाल ने पीड़ित प्रवेज से चार बीघा भूमि के दाखिल खारिज कराने के नाम पर उससे लाखों रुपए रिश्वत की मांग की। इस संबंध में पीड़ित प्रवेज ने बताया कि समाधान दिवस में आला अधिकारियों से कई बार लिखित रूप से वह शिकायत भी कर चुका है लेकिन अधिकारियों ने शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की।जबकि यह लेखपाल पिछले दो वर्षों से पीड़ित व्यक्ति का शोषण कर रहा था।पीढ़ी द्वारा एंटी करप्शन विभाग मैं शिकायत करने पर एंटी करप्शन विभाग ने लेखपाल को ₹500000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पीड़ित परवेज ने बताया कि लेखपाल इससे पहले भी उससे रिश्वत के रूप में रुपए ले चुका है लेकिन इसके बावजूद भी पिछले 2 वर्षों से लेखपाल जमीन उसके नाम दर्ज करने के नाम पर और अधिक पैसे देने का लगातार दबाव बना रहा था।फिलहाल एंटी करप्शन विभाग द्वारा थाने मैं लिखित करवाई करने के पश्चात लेखपाल को जिला न्यायालय पेश करने के लिए भेज दिया गया।

डॉ.के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के सीबीएसई बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किया गया सम्मानित

मोदीनगर (हिंद आत्मा)। डॉ० के०एन० मोदी ग्लोबल स्कूल द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर उन छात्रों को पुरस्कृत किया गया जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा12वीं के जिन छात्रों को सम्मानित किया गया उन्होंने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इसके अलावा 20 उन छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिन्होंने किसी एक विषय में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। हापुड़ रोड स्थित ग्लोबल पब्लिक स्कूल में सेंट्रल बोर्ड ऑफ एजुकेशन से शिक्षा ग्रहण कर रहे कक्षा10वीं के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों में 14 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, वहीं18 छात्रों ने अपने-अपने विषयों में 100% अंक प्राप्त कर माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन किया। गुरुवार को स्कूल सभागार में आयोजित भव्य सम्मान समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में प्रो० डी० के० मोदी उपस्थित रहे जिन्होंने प्रतिभावान छात्रों को पुरस्कार प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल द्वारा सम्मानित किए जाने पर सभी छात्रों के चेहरे खिल उठे इस अवसर पर डॉ० के०एन०मोदी फाउंडेशन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ.दीपांकर शर्मा एवं मेघराज शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित रहते हुए बच्चों को बधाई बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। इस शुभ अवसर पर विद्यालय प्राचार्या मिस पूजा शर्मा ने अपने संबोधन के दौरान बच्चों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा छात्रों की सफलता अभिभावकों के सहयोग एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों द्वारा किए गए कठिन परिश्रम का परिणाम है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया था। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान छात्रों के अभिभावकों ने अपने बच्चों पर गर्व का अनुभव करते हुए विद्यालय का आभार व्यक्त किया। 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के साथ उनके शिक्षकों को भी मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के को-ऑर्डिनेटर प्रशांत शुक्ला द्वारा किया गया। समारोह के अंत में सभी मेधावी छात्रों ने अपने-अपने शिक्षकों के साथ फोटो खींचाते हुए इस सुनहरे पलों की यादों को अपनी-अपने मोबाइल कैमरा में भविष्य के लिए संजोकर रखा।

इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स मोदीनगर में 20 दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला के प्रथम दिन आसपास क्षेत्र के स्कूल प्रधानाचार्यो को किया सम्मानित

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला का गुरुवार को शुभारंभ किया गया।यह चित्रकला कार्यशाला राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश एवं संस्कार भारती मेरठ महानगर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई। गुरुवार को मोदीनगर स्थित इंस्टीट्यूट आफ फाइन आर्ट्स में आयोजित इस 20 दिवसीय चित्रकला कार्यशाला में लगभग 80 कला प्रेमी, छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बताया गया कि यह कार्यशाला 20 मई से शुरू होकर 11 जून तक चलेगी। जिसमें कला विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा छात्रों को कला संबंधी तकनीक ज्ञान दिया जाएगा। कार्यशाला के प्रथम दिन कार्यक्रम की शुरूआत मैं आईफा छात्र-छात्राओं ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को तिलक एवं पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० अरुण डायरेक्टर एवं प्रधानाचार्य छाया पब्लिक स्कूल एवं विशिष्ट अतिथि डॉ मयंक अग्रवाल(अध्यक्ष संस्कार भारती मेरठ महानगर) राकेश जैन उपाध्यक्ष संस्कार भारती मेरठ, संयोजक प्राच्य धरोहर संस्कार भारती मेरठ महानगर) राम लखन पटेल कार्यकारी सदस्य संस्कार भारती मेरठ एवं वरिष्ठ कवि सहित मोदीनगर आसपास क्षेत्र के स्कूल प्रधानाचार्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करने के पश्चात फीता काटकर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ० अरुण त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि आईफा एक इकलौता संस्थान है जहां विदेशी शिक्षण छात्र-छात्राएं यहां कला की बारीकीयों को सीखने आते हैं वही आइफा के छात्र भारतवर्ष का परचम अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय स्तर पर लहरा रहे हैं।डॉक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा मुख्य अतिथि डॉ० अरुण त्यागी को ट्रॉफी एवं किताब देकर सम्मानित किया। इस चित्रकला कार्यशाला में कला शिक्षक लक्ष्य कुमार एक्रेलिक मीडिया में ऑपरेशन सुदूर पेंटिंग बनाकर विशेष संदेश दिया। कार्यक्रम के बीच विभिन्न स्कूलों से आए प्रिंसिपल मिस शिवानी सिंगल (प्रिंसिपल आदर्श कन्या इंटर कॉलेज), विमल प्रताप सिंह (के.एस.एम. इंटर कॉलेज), सतीश अग्रवाल (प्रिंसिपल के.एन.मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज) मिस मोनिका त्यागी, (प्रिंसिपल नवजीवन इंटर कॉलेज भनेड़ा) मिस भारती त्यागी(प्रिंसिपल श्री राम पब्लिक स्कूल शाहजहांपुर) मिस रोमी शर्मा(प्रिंसिपल नीव द स्कूल सीकरी) को डॉ० संघर्ष शर्मा एवं डॉ० रुचि विद्यार्थी ने सभी प्रिंसिपलों को ट्रॉफी एवं किताब देकर सम्मानित किया गया। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी एवं मीडिया प्रभारी भोतेंद्र कुमार ने बताया इस चित्रकला कार्य शाला का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में कला के प्रति छिपी हुई प्रतिभाओं को बाहर लाकर एवं कला के क्षेत्र में भविष्य सवारने के लिए प्रोत्साहन करना है। जिसे सफल बनाने में अमित बंसल, प्रीति शर्मा, प्रशांत झा, दीपांशु, शीतल रानी, आभा शर्मा, पलक आदि का विशेष सहयोग रहा।

GHAZIABAD'S
NO.1 SCHOOL RESULTS
4 YEARS IN A ROW

NWS
KNOWLEDGE • WISDOM • COURAGE

Healthy Planet Primary

Nehru World School

We thank our students, teachers, and parents for the phenomenal Grade 12, Grade 10 and JEE results in 2025.

Grade 12 Batch Size: 148 | Batch Median: 90%
Aggregate 95%+: 22 | Aggregate 90%+: 79

GRADE 12
Batch Size: 148

- 99.6% Riddhima Agrawal — D/o Mrs. Abha Gupta & Mr. Sanjay Kumar Gupta
- 99.6% Anshvi — D/o Mrs. Ritika Gupta & Mr. Rohit Gupta
- 99.4% Navya Tyagi — D/o Mrs. Preeti Tyagi & Mr. Harsh Kamal Tyagi
- 98.4% Riya Saxena — D/o Mrs. Poonam Saxena & Mr. S P Saxena
- 98.2% Hardik Mittal — S/o Mrs. Kanchan Mittal & Mr. Sandeep Mittal
- 98.0% Shivam Shandilya — S/o Mrs. Seema Sharma & Mr. Yogesh K Sharma
- 98.0% Ella Tyagi — D/o Mrs. Shweta Tyagi & Mr. Sandeep Tyagi
- 98.0% Anushri Sharma — D/o Mrs. Rashmi Sharma & Mr. Anil Sharma
- 97.8% Shalika Panwar — D/o Mrs. Sangeeta Panwar & Mr. Jay Panwar
- 97.8% Sanvi Garg — D/o Mrs. Reena Gupta & Mr. Anurag Garg
- 97.8% Aadya Jain — D/o Mrs. Shilpa Jain & Mr. Ashish Kumar Jain
- 97.0% Kshitij Swarnkar — S/o Mrs. Rajni Soni & Mr. V Swarnkar
- 96.8% Divyanshi Srivastava — D/o Mrs. Vinita Srivastava & Mr. Amit Sinha
- 96.6% Saksham Garg — S/o Late Mrs. Manju Rani & Mr. Sunil Kumar
- 96.0% Shabdd Jindal — S/o Mrs. Parwati Jindal & Mr. Radhey Shyam Jindal
- 96.0% Prathit Dwivedi — S/o Mrs. Anju Dwivedi & Mr. Gyan P Dwivedi
- 95.8% Vedastav Mishra — S/o Mrs. Julie Jha & Mr. Pravir Kumar
- 95.8% Mohit Bhardwaj — S/o Mrs. Manju Sharma & Mr. Vijay Kumar Sharma
- 95.8% Madhu Shreya — D/o Mrs. Manju Kumari & Mr. Santosh Kumar
- 95.8% Ananya Harit — D/o Mrs. Anjana & Mr. Anil Kumar Harit
- 95.4% Radhika Sharma — D/o Mrs. Vimlesh Sharma & Mr. Satish Kumar
- 95.2% Dhruv Mittal — S/o Mrs. Shweta Mittal & Mr. Shekhar Mittal
- 94.8% Gurnaaz Kaur — D/o Mrs. Harleen Kaur & Mr. Sukhjeet Singh
- 94.8% Deveshi Charu — D/o Mrs. Suruchi Sinha & Mr. Om Prakash Sinha
- 94.8% Anushka Sinha — D/o Mrs. Sanjeeta & Mr. Navin Kumar
- 94.4% Sanidhya Yadav — S/o Mrs. Sangeeta Yadav & Mr. Sachchida N Yadav
- 94.4% Jiyana Gupta — D/o Mrs. Nidhi & Mr. Aman Deep
- 94.0% Parth Agarwal — S/o Mrs. Ruchi Agarwal & Mr. Amit Agarwal
- 94.0% Aarav Malik — S/o Mrs. Geeta Chaudhary & Mr. Pankaj Malik
- 93.8% Nikunj Bhardwaj — S/o Mrs. Richa Sharma & Mr. Krishan K Sharma
- 93.8% Anshika Sharma — D/o Mrs. Tripti Sharma & Mr. Anil Kumar Sharma
- 93.6% Saloni Rathi — D/o Mrs. Sunita Rathi & Mr. Jagmohan Rathi
- 93.6% Novesh Kaushik — S/o Mrs. Kirti Kaushik & Mr. Umesh M Kaushik
- 93.6% Anshika Goel — D/o Mrs. Garry & Mr. Mahesh Kumar Goel
- 93.6% Abhinav Rajput — S/o Mrs. Meenu & Mr. Durbash Singh
- 93.4% Sarthak Singhal — S/o Mrs. Abhilasha Singhal & Mr. Arun Singhal
- 93.4% Mukund Garg — S/o Mrs. Payal Garg & Mr. Manoj Kumar Garg
- 93.4% Ananya Gupta — D/o Mrs. Shalu Gupta
- 93.0% Tejasav Vashisth — S/o Mrs. Rekha Vashisth & Mr. Sharad Vashisth
- 93.0% Mahi Teotia — D/o Mrs. Babita & Mr. Gyanander Singh
- 93.0% Garima Bansal — D/o Mrs. Shilpa Bansal & Mr. Hemant Bansal
- 93% Jayant Yadav — S/o Mrs. Neetu Yadav & Mr. Ghanendra K Yadav
- 92.8% Garv Gupta — S/o Mrs. Asha Gupta & Mr. Mukesh K Gupta
- 92.6% Raghav Sharma — S/o Mrs. Sheetal Sharma & Mr. Dheeraj Sharma
- 92.4% Yuvraj Sirohi — S/o Mrs. Seema Sirohi & Mr. Deepak Sirohi
- 92.4% Abhinav Chaudhary — S/o Mrs. Rekha & Mr. Parvinder Kumar
- 92.2% Kriyansh Garg — S/o Mrs. Sarika Garg & Mr. Aditya Garg
- 92.2% Aradhya Agrawal — S/o Mrs. Shalini Agrawal & Late Mr. R K Agrawal
- 92.0% Tejus Vashistha — S/o Mrs. Megha Sharma & Mr. Amit Sharma
- 92.0% Ojass Sachdeva — S/o Mrs. Vaishali & Mr. Abhinav Sachdeva
- 92.0% Ishika Daksh — D/o Mrs. Vimlesh & Mr. Amit Kumar
- 91.8% Yash Yadav — S/o Mrs. Lalita Devi & Mr. Bal Krishan
- 91.6% Siddhi Bansal — D/o Mrs. Sheetal Bansal & Late Mr. S Bansal
- 91.6% Ishaan Maheshwari — S/o Mrs. M Maheshwari & Mr. Gaurav Maheshwari
- 91.6% Bhavya — D/o Mrs. Reshu Rana & Mr. Vishal Gaurav
- 91.4% Vivan Shrivastava — S/o Mrs. Abhilasha & Mr. Ashutosh Kumar
- 91.4% Vansh Chaudhary — S/o Mrs. Babli & Mr. Maneesh
- 91.2% Vanshika Yadav — D/o Mrs. Anju Yadav & Mr. Kesh Pal Yadav
- 91.2% Tamanna Teotia — D/o Mrs. Archana Teotia & Mr. Mukesh Kumar
- 91.2% Pragati Singhal — D/o Mrs. Jyoti Singhal & Mr. Parag Kumar Singhal
- 91.2% Ojaswa Pateria — S/o Mrs. Shobhna & Mr. Virendra Pateria
- 91.2% Manav Yadav — S/o Mrs. Sunita & Mr. Rajesh Kumar Yadav
- 91.2% Aditi Singhal — D/o Mrs. Pooja Singhal & Mr. Sachin Singhal
- 91.0% Shrishti Aggarwal — D/o Mrs. Meenu Aggarwal & Mr. Ghanshyam
- 91.0% Shreya Sharma — D/o Mrs. Anjali Sharma & Mr. Praveen K Sharma
- 90.8% Yash Sharma — S/o Mrs. Renu Sharma & Mr. Manish Sharma
- 90.8% Shreya Singhal — D/o Mrs. Shubha Singhal & Mr. Sanjay Singhal
- 90.8% Parth Goel — S/o Mrs. Shruti Goel & Mr. Vipul Kumar Goel
- 90.6% Suvan Gupta — S/o Mrs. Deepika Garg & Mr. Munish Gupta
- 90.6% Saksham Garg — S/o Mrs. Meenakshi Gupta & Mr. Vinay Gupta
- 90.6% Lucky Shishodia — S/o Mrs. Meenu & Mr. Ramautar Singh
- 90.2% Anishka Chaudhary — D/o Mrs. Jyoti Chaudhary & Mr. Arvind Kumar
- 90.0% Dev Pratap Singh — S/o Mrs. Ram Kanti & Mr. Nagendra Singh
- 90.0% Chirag Chaudhary — S/o Mrs. Neetu & Mr. Jitender
- 90.0% Atulya Kumar — S/o Mrs. Mamta & Dr. Mahesh Kumar
- 90.0% Arnav Agarwal — S/o Mrs. Ekta Singhal & Mr. Amit Kumar
- 90.0% Akrit Kumar Singh — S/o Mrs. Pinki K Singh & Mr. Amit Prakah Singh
- 90.0% Aditi Pandey — D/o Mrs. Anshika Pandey & Mr. Vivek K Pandey
- 90.0% Tejas Bajpai — S/o Mrs. Monika Bajpai & Mr. Anurag Bajpai

GRADE 10
Batch Size: 119

- 97.6% Janvi Singh — D/o Mrs. Priyanka Verma & Mr. Chaman Singh
- 97.0% Siona Singh — D/o Mrs. Anju Singh & Mr. Rajesh Kumar Singh
- 96.6% Tamonash Nayak — S/o Mrs. Jhuna R Nayak & Dr. Tapan K Nayak
- 96.6% Abhinav Rana — S/o Mrs. Susheela Kumari & Mr. Rajnesh K Rana
- 96.0% Saanvi Pundhir — D/o Mrs. Himantika & Mr. Manoj K Chanchal
- 96.0% Dherya Dua — S/o Mrs. Kavita Dua & Mr. Brijesh Kumar Dua
- 95.8% Mantavya Aggarwal — D/o Mrs. Ritu Aggarwal & Mr. N Aggarwal
- 95.6% Ananya Garg — D/o Mrs. Eesha Garg & Mr. Mohit Garg
- 95.4% Bhavya Arora — S/o Mrs. Shivee Arora & Mr. Amit Kumar Arora
- 95.2% Krishnansh Kumar — S/o Mrs. Asha Rani & Mr. Sandeep Kumar
- 95.0% Shubh Saxena — S/o Mrs. Reetu Saxena & Mr. Shirin Saxena
- 95.0% Raghav Goyal — S/o Mrs. Neha Goyal & Mr. Atul Kumar Goyal
- 94.8% Hargun Singh — S/o Mrs. Inderjeet Kaur & Capt. Sartaj Singh
- 94.8% Charvi Agrawal — D/o Mrs. Sweta Agarwal & Mr. Aashish Agrawal
- 94.4% Ananyaa Singh — D/o Mrs. Alka Rana & Mr. Haresh Tomar
- 94.2% Shivanshnu Singh — S/o Mrs. Anshu Singh & Mr. Ashish Singh Baghel
- 94.0% Samriddhi Vashisth — D/o Mrs. Roopam & Mr. Vivek Vashisth
- 94.0% Arnav Goyal — S/o Mrs. Monika Goyal & Mr. Abhishek Goyal
- 93.8% Yashna Jain — D/o Mrs. Ruby Jain & Mr. Romit Jain
- 93.8% Akshita Sharma — D/o Mrs. Jyoti Sharma & Mr. Sanjeev K Sharma
- 93.8% Divyansh S Tomar — S/o Mrs. Anshu Tomar & Mr. Nirankar S Tomar
- 93.6% Paridhi Gupta — D/o Mrs. Swati Gupta & Mr. Ankit Gupta
- 93.6% Prabhav Singhal — S/o Mrs. Shalini Singhal & Mr. Praveen K Singhal
- 93.6% Aanya Gupta — D/o Mrs. Shafali Gupta & Mr. Amit Kumar Gupta
- 93.4% Raghav Bansal — S/o Mrs. Ruchi Bansal & Mr. Amit Bansal
- 93.2% Anika Tomar — D/o Mrs. Preeti Tomar & Mr. Yogesh Tomar
- 92.6% Puranjay Dixit — S/o Mrs. Raina Dixit & Mr. Sanjay Kumar Dixit
- 92.4% Tavishi Kaushik — D/o Mrs. Karuna Sharma & Mr. Sanjay
- 92.4% Anishka Chaurasia — D/o Mrs. Kusum & Mr. Akhilesh K Chaurasia
- 92.2% Daksh Laroia — S/o Mrs. Kanika Laroia & Mr. Tarun Laroia
- 91.8% Vaibhav Bansal — S/o Mrs. Gyan & Mr. Ajab Singh
- 91.8% Radhika — D/o Mrs. Rajni & Mr. Amnish Kumar
- 91.8% Ishaan Gupta — S/o Mrs. Neha Gupta & Mr. Sudhanshu Gupta
- 91.8% Avni Makarh — D/o Mrs. Monika Makarh & Mr. Manish Makarh
- 91.4% Atharv Singhal — S/o Mrs. Monika Singhal & Mr. Jitender Kumar
- 91.2% Amolika Sinha — D/o Mrs. Sanjeeta & Mr. Navin Kumar
- 91.0% Asmi Goel — D/o Mrs. Rekha Goel & Mr. Pankaj Goel
- 90.8% Himanshi Shobhra — D/o Mrs. Shobha Rani & Mr. Tuli Ram
- 90.6% Tanmay Mittal — S/o Mrs. Ekta R Mittal & Mr. Rachin Mittal

21 students of NWS cleared the JEE Mains Exam 2024-25

- 99.996 Saksham Garg (City Topper) — S/o Late Mrs. Manju & Mr. Sunil Kumar
- 99.87 Aradhya Agrawal — S/o Mrs. Shalini Agrawal & Late Mr. R K Agrawal
- 99.82 Kriyansh Garg — S/o Mrs. Sarika Garg & Mr. Aditya Garg
- 99.54 Manav Yadav — S/o Mrs. Sunita & Mr. Rajesh Kumar Yadav
- 99.23 Ojass Sachdeva — S/o Mrs. V Sachdeva & Mr. Abhinav Sachdeva
- 99.03 Divyanshi Srivastava — D/o Mrs. Vinita Srivastava & Mr. Amit Sinha
- 99.12 Vedastav Mishra — S/o Mrs. Julie Jha & Mr. Pravir Kumar
- 98.72 Vaatsalya Srivastava — S/o Mrs. S Srivastava & Mr. Praveen K Srivastava
- 98.53 Parth Goel — S/o Mrs. Shruti Goel & Mr. Vipul Kumar Goel
- 98.406 Prathit Dwivedi — S/o Mrs. Anju Dwivedi & Mr. Gyan P Dwivedi
- 98.33 Garv Gupta — S/o Mrs. Asha Gupta & Mr. Mukesh K Gupta
- 97.99 Madhu Shreya — D/o Mrs. Manju Kumari & Mr. Santosh Kumar
- 96.03 Novesh Kaushik — S/o Mrs. Kirti Kaushik & Mr. Umesh M Kaushik
- 95.7 Mohit Bhardwaj — S/o Mrs. Manju Sharma & Mr. Vijay Kumar Sharma
- 96.61 Nikunj Bhardwaj — S/o Mrs. Richa Sharma & Mr. Krishan K Sharma
- 95.71 Aarav Malik — S/o Mrs. Geeta Chaudhary & Mr. Pankaj Malik
- 94.56 Pragati Singhal — D/o Mrs. Jyoti Singhal & Mr. Parag K Singhal
- 97.17 Vivan Shrivastava — S/o Mrs. A Shrivastava & Mr. Ashutosh Kumar
- 93.48 Ojaswa Pateria — S/o Mrs. Shobhna & Mr. Virendra Pateria
- 96.3 Dhruv Mittal — S/o Mrs. Shweta Mittal & Mr. Shekhar Mittal
- 95.64 Anshika Goel — D/o Mrs. Garry & Mr. Mahesh Kumar Goel

iNet | Specialist Schools and Academies Trust | Khan Academy | Generation Global | Goethe Institut Max Mueller Bhavan | English Language Quality Standards Membership Network until November 2019 British Council | ieyc international early years curriculum | naeyc | Cambridge Assessment International Education, Cambridge International School

E-Block, Shastri Nagar, Ghaziabad (U.P.) India T:+91(0)120 2758565, W: www.nehruworldschool.com